राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,15 नवेम्बर-2021 वर्ष-4,अंक-292 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

18 दिन की बच्ची को नदी में फैंक मां ने अपहरण का चलाया झूठ, दो दिन बाद बच्ची का शव मिला

क्रांति समय,सूरत

सूरत,शहर के ऊन पाटिया क्षेत्र में रहनेवाली एक महिला ने केवल 18 दिन की अपनी मासूम बच्ची को तापी नदी में फैंक दिया और पुलिस थाने जाकर बच्ची के अपहरण की शिकायत कर दी। आश्चर्य की बात यह है कि बच्ची के अपहरण के बारे में महिला ने न तो अपने पति और न ही पड़ौसियों को बताया। हांलाकि पुलिस की क्रॉस जांच में महिला टूट गई और पूरी सच्चाई बयां कर दी। इस खुलासे के बाद पुलिस ने दो दिन बाद तापी नदी से बच्ची का शव बरामद कर आगे की कार्रवाई शुरू की। जानकारी के मुताबिक ऊन पाटिया क्षेत्र में रहनेवाली 24 वर्षीय शाहीन शेख नामक युवती दो दिन पहले रात करीब 11 बजे सचिन जीआईडीसी पुलिस थाने पहुंच गई और उसकी 18 दिन की बेटी को कोई शख्स शाम के वक्त उठा ले गया। शाहीन की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने संदेह के आधार पर उससे पूछताछ शुरू की।

जिसमें पता चला कि बच्ची के अपहरण के बाद शाहीन ने न तो अपने पति हारून को बताया और न ही पड़ौसियों को इसके बारे में कोई जानकारी दी। जिससे पुलिस का संदेह पुख्ता हो गया और शाहीन से कड़ी पूछताछ की। जिसमें शाहीन ने सारा सच उगल दिया। शाहीन बताया कि दो दिन पहले पति हारून के साथ झगड़ा हुआ था। झगड़े के बाद शाहीन बच्ची को लेकर अपने माता-पिता के घर पहुंच गई। जहां माता-पिता की फटकार से आहत शाहीन ऑटो रिक्शा में लौट रही थी। रास्ते में ब्रिज से बच्ची को तापी नदी में फैंक दिया और करीब 5 घंटों के बाद शाहीन पुलिस थाने पहुंची और बेटी के अपहरण की झूठी शिकायत कर दी। लेकिन पुलिस की सख्ती के आगे वह टूट गई और सच्चाई बयां कर दी। शाहीन के खुलासे के बाद पुलिस ने फायर ब्रिगेड की मदद से दो दिनों की खोजबीन के बाद बच्ची का शव नदी से बरामद कर आगे की कार्रवाई शुरूकी।

400 के समूह में श्रद्धालुओं को मिली गिरनार की लीली परिक्रमा की मंजूरी

क्रांति समय,सूरत

जूनागढ़,सौराष्ट्र स्थित गिरनार में भवनाथ की तहलटी में आज से शुरु हुई लीली परिक्रमा को लेकर प्रशासन ने श्रद्धालुओं के लिए बड़ा फैसला किया है। जूनागढ़ प्रशासन ने पहले केवल 400 साधु-संतों को लीली परिक्रमा करने की मंजूरी दी थी। लेकिन आज श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन अपना फैसला बदलते हुए शर्तिया लीली परिक्रमा की मंजूरी प्रदान की है। जिसके मुताबिक अब 400 के समूह श्रद्धालु लीली परिक्रमा कर सकेंगे और ऐसे समूह चरणबद्ध तरीके से इसमें शामिल होंगे। प्रशासन के इस फैसले से श्रद्धालुओं में खुशी की लहर दौड़ गई है। दरअसल लीली परिक्रमा के पहले ही दिन भवनाथ की तलहटी में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ जमा हो गई। जिसे देखते हुए प्रशासन ने तत्काल लीली परिक्रमा से संबंधित अपना फैसला बदला और चरणबद्ध तरीके से 400 के समूह में श्रद्धालुओं को लीली परिक्रमा करने की मंजूरी प्रदान कर दी। प्रशासन के पहले के फैसले मुताबिक केवल 400 साधु-संतों को ही लीली परिक्रमा की अनुमती दी गई थी। लेकिन अब सामान्य श्रद्धालु भी लीली परिक्रमा कर सकेंगे। गौरतलब है कि हर साल देवउठनी एकादशी से कार्तिक पूर्णिमा तक जूनागढ़ के गिरनार स्थित भवनाथ तलहटी में लीली परिक्रमा होती है। जिसमें राज्यभर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। कोरोना महामारी के कारण सौराष्ट्र में आस्था के केन्द्र गिरनार में पिछले दो साल से लीली परिक्रमा नहीं हुई। कोरोना संक्रमण कम होने के बाद इस साल जूनागढ़ कलेक्टर ने पहले केवल 400 साधु-संतों को लीली परिक्रमा की मंजूरी दी थी। लेकिन आज जब एक लाख से अधिक श्रद्धालु भवनाथ की तलहटी पहुंच गए तो कलेक्टर अपना फैसला बदलना पड़ा और सामान्य श्रद्धालुओं को 400 के समूह लीली परिक्रमा की मंजूरी दे दी। जिससे लीली परिक्रमा को भवनाथ की तलहटी पहुंचे श्रद्धालुओं में खुशी की लहर दौड़ गई।

सुमूल डेयरी में टेम्पो चालक की हत्या के बाद परिजनों समेत अन्य टेम्पो चालकों ने किया हंगामा

क्रांति समय,सूरत

सूरत,सूरत की सुमूल डेयरी में बीते दिन पार्किंग के मुद्दे पर एक टेम्पो चालक की हत्या के बाद मृतक के परिजन समेत अन्य टेम्पो चालकों ने आज मुआवजे की मांग के साथ जबर्दस्त हंगामा किया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर बितर करने के लिए हलका लाठीचार्ज भी किया। दूसरी ओर डेयरी संचालकों ने मामला और अधिक उग्र हो

उससे पहले मृतक के परिजनों को रु 12 लाख के मुआवजे का ऐलान कर दिया। जिसका विरोध कर रहे टेम्पो चालकों ने स्वागत किया और प्रदर्शन खत्म कर दिया। जानकारी के सूरत के मिलिन्दरनगर निवासी और सुमूल डेयरी में कोन्ट्रेक्ट बेज पर बतौर टेम्पो चालक काम करने वाले 30 वर्षीय सुनील गुप्ता नामक युवक की अन्य टेम्पो चालक रवि शुक्ला के साथ पार्किंग के मुद्दे पर कहासुनी हुई थी। मामूली बात हुई कहासुनी हिंसक हो गई और रवि शुक्ला ने चाकू निकाल कर सुनील गुप्ता पर कई वार किए। गंभीर रूप से घायल सुनील गुप्ता को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान सुनील दम तोड़ दिया। सुनील की मौत के बाद सुमूल डेयरी से टेम्पो चालकों में आक्रोश भड़क उठा। सुबह मृतक के परिवार समेत बड़ी संख्या टेम्पो चालकों के सुमूल डेयरी के मुख्य द्वार पर विरोध प्रदर्शन करने से माहौल तनावपूर्ण हो गया। घटनास्थल पहुंची पुलिस ने हालात पर काबू पाने का प्रयास किया। लेकिन टेम्पो चालकों ने मृतक के परिजनों का आर्थिक सहायता की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन जारी रखा। टेम्पो चालकों के टस से मस नहीं होने पर पुलिस ने उन पर हल्का बल प्रयोग कर हटाने का प्रयास किया। इस दौरान महिधरपुरा पुलिस ने चार-पांच टेम्पो चालकों को भी हिरासत में ले लिया। दूसरी ओर मामला बिगड़ता देख डेयरी संचालकों के बीच बैठकों को दौर शुरूहो गया। विरोध प्रदर्शन और उग्र होने की आशंका को देखते हुए सुमूल डेयरी संचालकों ने मृतक सुनील गुप्ता के परिजनों को रु 12 लाख रूपए बतौर मुआवजा देने का ऐलान कर दिया। जिसके बाद विरोध कर रहे टेम्पो चालकों ने डेयरी संचालकों के फैसले का स्वागत करते हुए अपना प्रदर्शन

ट्रक और कार के बीच दुर्घटना में दादा-दादी और पौत्री समेत तीन की मौत

क्रांति समय,सूरत

सुरेन्द्रनगर,राजकोट-अहमदाबाद हाईवे पर लींबडी के जनसाली के निकट कार और ट्रक के बीच हुई दुर्घटना में अहमदाबाद निवासी परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब परिवार राजकोट से अहमदाबाद की ओर लौट रहा था। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के आंबावाडी क्षेत्र में रहनेवाले बकुलभाई उर्फ जेठाभाई बघाभाई मुछडिया अपनी पत्नी हीराबेन मुछडिया और 6 साल की पौत्री कैयांशी विजय मुछडिया के साथ दिवाली के त्यौहारों पर राजकोट गए थे। 13 नवंबर की रात बकुलभाई अपनी पत्नी और पौत्री के साथ अहमदाबाद की ओर लौट रहे थे। लींबडी हाईवे पर जनसाली के निकट रोड का कार्य चल रहा है, जिससे डायवर्जन के चलते विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से बकुभाई की कार टकरा गई। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में बकुलभाई मुछडिया और पौत्री कैयांशी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि हीराबेन मुछडिया को गंभीर हालत में लींबडी के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के लिए बाद उन्हें अहमदाबाद के लिए रवाना कर दिया गया। लेकिन अहमदाबाद पहुंचने से पहले ही रास्ते में हीराबेन की भी मौत हो गई। स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गुजरात विधानसभा में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित नेहरू को पुष्पाजंलि दी गई

देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू को उनकी 132वीं जयंति पर याद किया गया। गुजरात विधानसभा

परिसर में पंडित नेहरू के तैल चित्र पर विधानसभा के सचिव डीएम पटेल ने भावभीनी पुष्पाजंलि अर्पण की। विधानसभा के सचिव डीएम पटेल ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने तेज आर्थिक विकास के जरिए सामाजिक न्याय हासिल करने, संपत्ति के न्यायिक वितरण करने और समानता बढ़ाने के अथक प्रयास किए थे। इस मौके पर विधानसभा के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारियों ने पंडित नेहरू के तैल चित्र पर पुष्प अर्पण कर उनके जीवन के आजादीकाल के प्रेरणादायी संस्मरण याद किए।

पाटीदारों में एकजुटता नहीं होने पर हार्दिक पटेल का छलका दर्द

क्रांति समय,सूरत

राजकोट,जिले के जसदण में आयोजित एक कार्यक्रम में गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल का पाटीदारों में एकजुटता नहीं होने पर दर्द छलका और कहा कि केवल किसी कार्यक्रम के लिए मैदान में एकत्र होना एकजुटता नहीं है। यदि कोई पाटीदारों में एकता का भ्रम पाल रहा है तो वह उसे निकाल दे। उन्होंने कहा कि पाटीदारों में एकता है और सभी पाटीदार एक हैं ऐसा दंभ भरना गलत है। हार्दिक पटेल ने कहा कि पाटीदारों को राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में भी अपनी एकजुटता बतानी होगी। राजकोट जिले

के जसदण में पाटीदार शैक्षिक भवन के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हार्दिक पटेल ने यह बात कही। इस मौके पर खोडलधाम के ट्रस्टी नरेश पटेल ने हार्दिक पटेल और अल्पेश कथीरिया की पाटीदारों में एकजुटता लाने की कोशिशों की अपरोक्ष रूप से प्रशंसा की। उन्होंने हार्दिक पटेल और अल्पेश कथीरिया का नाम लिए बगैर दोनों की ओर इशारा करते हुए कहा कि पिछले 5 वर्ष में युवाओं ने अपनी ताकत बता दी है और वह क्या कर सकते हैं इसका भी परिचय दे दिया है। नरेश पटेल ने कहा कि वर्षों से पाटीदार समाज में संगठन की भूख थी। युवाओं के परिश्रम और मुख्य पाटीदार संस्थाओं के प्रयासों से आज पाटीदार एकजुट हुए हैं। पाटीदार युवाओं ने पिछले 3-4 साल में बहुत कुछ कर दिखाया है, परंतु क्लर्क से लेकर कलेक्टर और राजनीति में सरपंच से लेकर सांसद भी पाटीदार होना चाहिए। दरअसल शनिवार की शाम राजकोट जिले के जसदण में पाटीदार शैक्षणिक भवन का लोकार्पण किया गया। लोकार्पण के इस कार्यक्रम में पाटीदार आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों के स्मारक का अनावरण किया गया। इस कार्यक्रम में खोडलधाम के ट्रस्टी नरेश पटेल और उंझा उमियाधाम के मणीभाई पटेल के अलावा गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल, सरदार पटेल ग्रुप के लालजी पटेल, पास नेता अल्पेश कथीरिया, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं निवृत्त कलेक्टर महेन्द्र पटेल, परेश गजेरा, दिलीप गजेरा, दिलीप सांबवा भी मौजूद रहे। पास नेता और खोडलधाम तथा उमियाधाम समिति ने कार्यक्रम का आयोजन किया था।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार विद्वत्ता अच्छे दिनों में आभूषण, विपत्ति में सहायक और बुढ़ापे में संचित धन है। - हितोपदेश

संपादकीय

चीन को दो टूक

हाल के वर्षों में पहली बार भारत ने अपने सख्त बयान में चीन को चेताया है कि भारत किसी भी सूरत में चीन के अवैध कब्जे और सीमा को लेकर उसके अनुचित दावों को स्वीकार नहीं करेगा। अमेरिकी रक्षा विभाग, पेंटागन की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अरुणाचल प्रदेश सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा से लगे एक विवादित क्षेत्र में चीन ने एक बड़ा पक्का गांव बनाया है। इस पर पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया में भारत ने चीन को दो टूक शब्दों में अपनी यह बात कही। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत अपनी सुरक्षा पर प्रभाव डालने वाले सभी घटनाक्रमों पर निरंतर नजर रखता है। इसके साथ ही अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिये सभी आवश्यक कदम उठाता है। वहीं दूसरी ओर सरकार का कहना है कि राजनयिक स्तर पर पूरी मजबूती के साथ इस तरह की गतिविधियों के प्रति अपना विरोध दर्ज कराया गया है और भविष्य में हम ऐसा ही करेंगे। वहीं भारत का यह भी कहना है कि सीमावर्ती इलाकों में जहां चीन ने दशकों से कब्जा कर रखा है, उन क्षेत्रों में उसने कुछ निर्माण भी किया है, तो उसे हम स्वीकार नहीं करते। दरअसल, हाल ही में चीन ने अपने साम्राज्यवादी मंसूबों को पूरा करने के लिये नया विवादित सीमा कानून पारित किया है। आशंका है कि नये सीमा कानून की आड़ में वह इस निर्माण को स्थायी सैन्य शिविर में न तबदील कर दे। कहा जा रहा है कि जिस विवादित इलाके में चीन ने गांव का निर्माण किया है, उसके पास ही 1962 के युद्ध के दौरान भारत की अंतिम पोस्ट हुआ करती थी। कालांतर में इलाका विवादित घोषित होने के बाद भारतीय सेना की स्थिति में बदलाव किया गया था। हालांकि, भारतीय सेना की तरफ से कहा जाता रहा है कि चीन का बुनियादी ढांचे का निर्माण एलएसी में चीन के अधिकार क्षेत्र में हुआ है। यह सर्वविदित है कि अरुणाचल प्रदेश पर चीनी की टेढ़ी नजर दशकों से रही है और वह इसे तिब्बत के विस्तार के रूप में बताता रहा है। चीन गाहे-बगाहे भारतीय राजनेताओं के अरुणाचल जाने पर तल्ख प्रतिक्रिया देता रहा है, जिसे भारत ने सदा खारिज ही किया है। इस साल जनवरी में कुछ सैटेलाइट तस्वीरों के हवाले से दावा किया गया था कि चीन ने अरुणाचल प्रदेश में भारत के नियंत्रण वाले इलाकों में पक्के घरों वाला एक गांव बसाया है। तब विदेश मंत्रालय ने कहा था कि वह खबरों पर नजर बनाये हुए है। बताया जाता है कि सारी चू नदी के तट का यह इलाका वर्ष 1962 के युद्ध में हिंसक संघर्ष का प्रत्यक्षदर्शी रहा है। ऐसा भी नहीं है कि विषम भौगोलिक जटिलताओं वाले निर्जन इलाकों की सुक्षा को लेकर भारत सजग नहीं है। भारत ने इस इलाके में बड़े पैमाने पर सड़कों, सुरंगों, पुलों और रेल सेवा के विस्तार की दिशा में सार्थक प्रयास किये हैं ताकि सेना की आपूर्ति को सुगम बनाकर सुरक्षा की किसी भी चुनौती से मुकाबला किया जा सके। इसके साथ ही लद्दाख व अरुणाचल प्रदेश क्षेत्र में सशस्त्र सेना की तैनाती को बढ़ाया गया है। अब इस इलाके में आधारभूत संरचना निर्माण में तेजी लाने से सेना की एलएसी पर पहुंच आसान व समय रहते हो पायेगी। साथ ही सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले भारतीयों को भी इन विकास कार्यों का लाभ मिलेगा। दरअसल, पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश और तिब्बत के बीच के इलाके को मैकमोहन रेखा विभाजित करती है। लेकिन चीन इस पर ईमानदार नजर नहीं आता। वहीं कुछ अंतर्राष्ट्रीय मामलों के जानकार मानते हैं कि संभवत- चीन इस्राइल जैसी रणनीति अपना रहा है। इस्राइल भी गाजा पट्टी में पहले इसी तरह के भवन बना देता है और फिर उस इलाके में आबादी को बसा देता है। जिसका लगातार फिलस्तीन की तरफ से विरोध किया जाता रहा है। यद्यपि आम लोगों में यह जानने की उत्सुकता बनी रहेगी कि गांव का निर्माण चीन नियंत्रित क्षेत्र में है या भारतीय क्षेत्र में। बहरहाल, चीन को अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के हिसाब से सीमाओं का सम्मान करना चाहिए।

संवाद

आचार्य रजनीश ओशो/ संवाद का मतलब होता है कि दूसरे को खुले मन से समझने का प्रयास करना। सत्य तक पहुंचने के लिए एक-दूसरे का हाथ थाम लेना, राह ढूंढने में एक-दूसरे की मदद करना संवाद है। यह मित्रता है, सत्य पाने के लिए साथ-साथ चलना, सत्य पाने में एक-दूसरे की मदद करना। अभी किसी के पास सत्य नहीं है, लेकिन जब दो लोग ढूंढने का प्रयास करते हैं, सत्य के बारे में एक साथ खोजने लगते हैं, यह संवाद है-और दोनों ही समृद्ध होते हैं। और जब सत्य मिलता है, तब वह ना तो मेरा होता है, न ही तुम्हारा। जब सत्य पाया जाता है, यह हम दोनों से बड़ा है जिन्होंने खोजने में सहभागिता की, यह दोनों से बड़ा है, यह दोनों को घेर लेता है-और दोनों समृद्ध होते हैं। अतीत में शिष्यों ने संगठन खड़े किए हैं। यह उनका रिश्ता था कि 'हम ईसाई हैं', ' कि 'हम हिन्दू हैं',' कि 'हम एक धर्म के हैं, एक विश्वास के हैं, और चूंकि हम एक विश्वास रखते हैं, हम भाई और बहन हैं। हम विश्वास के लिए जिएंगे और विश्वास के लिए मरेंगे। 'सारे संगठन शिष्यों के बीच बने रिश्तों से पैदा हुए। सच तो यह है कि दो शिष्य एक-दूसरे से जरा भी जुड़े नहीं हैं। शिष्यों में कोई रिश्ता नहीं होता। हां, उनमें एक तरह की मैत्री होती है, एक तरह का प्रेमपूर्ण नाता। मैं 'रिश्ते' शब्द को टाल रहा हूं क्योंकि यह बंधन है। इसे मित्रता भी नहीं कह रहा, बल्कि 'मैत्री'- चूंकि वे सह यात्री हैं, एक ही मार्ग पर चल रहे हैं, गुरु के साथ प्रेम करते, पर वे गुरु के द्वारा एक-दूसरे से जुड़े हैं। सीधे एक-दूसरे से नहीं जुड़े हैं। अतीत में यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बात हुई है कि शिष्य संगठन बन गए आपस में जुड़कर, और वे सभी अज्ञानी थे। और अज्ञानी लोग दुनिया में नासमझी पैदा कर देते हैं। सभी धर्मो ने ठीक यही किया है। मेरे लोग मेरे से व्यक्तिगत रूप से जुड़े हैं। और चूंकि वे सभी एक ही मार्ग पर हैं, निश्चित ही वे एक-दूसरे से परिचित हो जाते हैं। एक मैत्री पैदा होती है, एक प्रेमपूर्ण माहौल बनता है, लेकिन इसे मैं किसी तरह का संबंध नहीं कहना चाहता। शिष्यों के सीधे आपस में जुड़ने के कारण हम बहुत अधिक दुख देख चुके हैं, धर्म, वर्ग, मत पैदा करके, और आपस में झगड़े। वे और कुछ नहीं कर सकते। कम से कम मेरे साथ, इसे याद रखो- तुम एक-दूसरे के साथ किसी भी तरह से नहीं जुड़े हो। बस एक तरह की मैत्री, पक्की मित्रता नहीं, पर्याप्त है-और अधिक सुंदर है, और भविष्य में मानवता को किसी तरह के नुकसान की संभावना के।

वैश्विक स्तर पर नरेंद्र मोदी की बढ़ती लोकप्रियता

- प्रमोद भार्गव

एक के बाद एक एशियाई व पश्चिमी देशों की यात्राओं में मिली अप्रत्याशित सफलताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वैश्विक नेता के रूप में उभारकर प्रतिष्ठित कर दिया है। इस परिप्रेक्ष्य में अप्रूवल रेटिंग एजेंसी के सर्वे में मोदी की हैसियत बढ़ी है। जबकि अन्य राष्ट्र प्रमुखों की प्रसिद्धि में गिरावट आई है। मोदी ने विश्व के जिन नेताओं को पीछे छोड़ा है, उनमें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन, जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो समेत कई दिग्गज नेता शामिल हैं। मोदी का प्रसिद्धि सूचकांक जहां 70 फीसदी रहा है, वहीं अन्य शीर्ष 13 वैश्विक नेताओं की प्रसिद्धि का ग्राफ 66 प्रतिशत से नीचे चला गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की लोकप्रियता बड़ी तेजी से घटी है। उन्हें 44 फीसदी लोगों ने पसंद करके सातवां स्थान दिया है। जबकि मेक्सिको के राष्ट्रपति आंद्रे मैनुएल लोपेज दूसरे, इटली के प्रधानमंत्री मारियो द्राघी तीसरे, जर्मनी की मर्केल चौथे, आस्ट्रेलिया के पीएम स्कॉट मॉरिसन, पांचवें और कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो छठे स्थान पर रहे हैं। यह सर्वे द मॉर्निंग कंसल्ट ने किया है। यह सर्वे देश के वयस्क लोगों से साक्षात्कार के आधार पर किया जाता है। कोरोना महामारी के कारण कई देशों और उनके नागरिकों की आर्थिक स्थिति बदहाल हुई है। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला समृद्ध देश अमेरिका भी इससे अछूता नहीं रहा। महामारी के चलते बड़े पैमाने पर लोगों ने रोजगार गंवाया और इसका असर यह हुआ कि अमेरिका में भूख की समस्या भयावह हो गई। अमेरिका की सबसे बड़ी भूख राहत संस्था 'फीडिंग अमेरिका' की रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर-2021 के अंत में पांच करोड़ से ज्यादा लोग खाद्य संकट से जूझ रहे थे। यानी अमेरिका का प्रत्येक छठा व्यक्ति भूखा था। यही नहीं बालकों के मामले में स्थिति का और भी बुरा हाल था, प्रत्येक चौथा बच्चा भूखा रहने को मजबूर हुआ। फीडिंग अमेरिका नेटवर्क ने एक महीने में 54.8 करोड़ आहार के पैकेट बांटे, जिन्हें प्राप्त करने के लिए अमेरिका के उटा में कारों में बैठकर लोग लंबी कतारों में लगे रहे। अमेरिका से आया यह दृश्य अविश्वनीय जरूर लगता है, लेकिन हकीकत है। इधर भारत में अनाज का उत्पादन और भंडारण इतना बढ़ता जा रहा है कि वित्तीय वर्ष 2019-20 में खाद्य मंत्रालय को विदेश मंत्रालय से आग्रह करना पड़ा था कि दुनिया के कुछ ऐसे गरीब देश तलाशो, जिन्हें यह अनाज मुफ्त में बतौर मदद दिया जा सके, वरना इसे फेंकना पड़ेगा। इसीलिए जानी-मानी अंतरराष्ट्रीय मूल्यांकन संस्था डालबर्ग को एक अध्ययन के आधार पर कहना पड़ा था कि 97 प्रतिशत भारतीय मानते हैं कि चंद कमियों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में भरोसा है। कोरोना से जब दुनिया में हाहाकार मची हुई थी, तब नरेंद्र मोदी एकाग्रचित्त होकर भारत ही नहीं दुनिया के कोरोना से मुक्ति के लिए संघर्षरत थे। कोविड-19 की पहली लहर में जब दुनिया उपचार के लिए दवा तय नहीं कर पा रही थी, तब भारत ने हाइड्रोक्सी-क्लोरोक्वीन गोलियां अमेरिका समेत पूरी दुनिया को उपलब्ध कराई। नतीजतन दुनिया में मोदी की लोकप्रियता में अप्रत्याशित वृद्धि हुई। इस कालखंड में अमेरिका की एजेंसी मॉर्निंग कंसल्ट ने एक सर्वे किया। इस सर्वे में साफ हुआ कि मोदी की लोकप्रियता निरंतर न केवल बनी हुई है, बल्कि बढ़ी भी है। सर्वे में मोदी की प्रसिद्धि की दर 55 प्रतिशत रही। इसे सभी प्रमुख वैश्विक नेताओं में सबसे अधिक अंक मिले। रेटिंग एजेंसी फिच व एसबीआई ने कोरोना काल में आर्थिक गतिविधियां लंबे समय तक बंद रहने के बावजूद माना की देश के आर्थिक हालात बेहतर हो रहे हैं। बिगड़ी आर्थिक व्यवस्था की चाल को सुधारने के लिए सरकार के स्तर पर अनेक प्रयास हो रहे हैं। नतीजतन आर्थिक समृद्धि भविष्य में बनी रहना तय है। फिच ने माना की सरकार ने श्रम और कृषि में जो कानूनी सुधार किए हैं। उससे बिचैलिए खत्म होंगे और देश खुशहाल होगा। 2014 में जब मोदी सरकार ने सत्ता संभाली थी, तब अर्थव्यवस्था बदहाल थी। महंगाई आसमान पर थी और दूरसंचार, कोयला, राष्ट्रमंडल खेल एवं आदर्श सोसायटी के घोटालों के उजागर होने से देश शर्मसार था। विदेशी पूंजी निवेश थम गया था। किंतु धीरे-धीरे संस्थागत सुधारों पर बल देते हुए सरकार ने बदतर हालात पर पूरी तरह काबू पा लिया। यही वजह है कि पिछले तीन साल में 151 अरब डॉलर का पूंजी निवेश भारत में हुआ है। बीते वित्तीय वर्ष में यह उछाल 36 प्रतिशत रहा है। कर कानूनों में सुधार की दृष्टि से जीएसटी विधेयक पारित कराना क्रांतिकारी पहल रही। धन का लेन-देन पारदर्शी हो, इस नजरिए से डिजिटल आर्थिकी को बढ़ावा देने के लिए नोटबंदी करना साहसिक पहल थी। जनधन और उज्ज्वला जैसी योजनाओं पर तकनीकी अमल से गरीब को वास्तव में लाभ मिला है। नए कानून लाकर जमीन जायदाद के व्यापार और एनपीए पर जिस तरह से शिकंजा कसा है, उससे लगता है, भाविष्य में अब रियल स्टेट कारोबार में हेराफेरी और बैंकों से कर्ज लेकर विजय माल्या, नीरव मोदी एवं मेहुल चोकसी की तरह चंपत हो जाने वाले कारोबारियों की मुश्कें कसेंगी। इन उपायों से ऐसा लगता है कि देश का ढांचागत कायांतरण हो रहा है। युवाओं को नए रोजगार सृजित करने की दृष्टि से स्टार्टअप और स्टेंडअप जैसी योजनाएं भी लागू की गईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिलना और देश को रेटिंग एजेंसियों द्वारा सम्मानजनक स्थान देना, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों के बिना संभव नहीं है। इस हेतु नरेंद्र मोदी ने एक के बाद एक बिना रुके, बिना थके एशियाई व पश्चिमी देशों की सैंकड़ों यात्राएं कीं। इन यात्राओं में मिली अप्रत्याशित सफलताओं ने प्रधानमंत्री को वैश्विक नेता के रूप में उभार दिया है। द्विपक्षीय रिश्तों में उन्होंने नए प्राण डाले। इन सभी यात्राओं की खास बात यह रही कि हिंदी में भाषण देने के बावजूद राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी मोदी का जादू सिर चढ़कर बोलता रहा है। पिछले कुछ दशकों में ऐसा माहौल भारतीय प्रधानमंत्री तो क्या अन्य किसी देश के मुखिया के विदेशी दौरों में दिखाई नहीं दिया। उनके इस जादू के असर का प्रमुख कारण स्पष्टवादिता, दृढ़ता और वैश्विक आतंकवाद को खत्म करने का कठोर संदेश रहा। मोदी के इसी आचरण के कारण ब्रिटेन के प्रधानमंत्री डेविड कैमरेन उनके प्रशंसकों की सूची में शामिल हो गए हैं। अपने पक्ष में मिले इस विश्वव्यापी समर्थन को देखते हुए ही, मोदी ने फिजी में कहा भी था कि 'भारत विश्व गुरु की भूमिका निभाएगा और अपनी ज्ञानशक्ति से विश्व का नेतृत्व करेगा।' दरअसल भविष्य का राजनीतिक नेतृत्व ज्ञान आधारित नेतृत्व पर ही टिका होगा, यह संभावना अमेरिका और ब्रिटेन भी जता चुके हैं। राष्ट्राध्यक्षों की विदेश यात्राओं के दौरान यह घटना विलक्षण ही होती है कि कोई मेजबान देश अतिथि प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति को अपने देश की सर्वोच्च संवैधानिक संस्था संसद में बोलने का अवसर दे। लेकिन मोदी ने नेपाल, भूटान और फिजी की संसदों को तो संबोधित किया ही, विकसित देश आस्ट्रेलिया की संसद को संबोधित करने का मौका उन्हें दिया गया। इस तरह किसी पश्चिमी देश की संसद को संबोधित करने वाले मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। आस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान प्रवासी भारतीयों ने तो मोदी का गर्मजोशी से स्वागत अलफॉन्स एरीना स्टेडियम में किया ही था, वहां के प्रधानमंत्री टोनी एबॉट भी रिश्तों को पुख्ता करने में अतिरिक्त उत्साहित में दिखे थे। मोदी के नेतृत्व का लोहा ब्रिस्वेन में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन में भी दिखा था।

योगी की राजनीतिक जमीन सींचता विपक्ष

अवधेश कुमार

उत्तर प्रदेश के राजनीतिक परिदृश्य पर नजर दौड़ाइए तो विधानसभा चुनाव के संदर्भ में कई रोचक तस्वीरें दिखाई देंगी। भाजपा अपने मुद्दों के साथ योजनाबद्ध तरीके से सक्रिय है। मजे की बात है कि विपक्षी दल भी ऐसे मुद्दे उठा रहे हैं जो भाजपा के लिए ज्यादा अनुकूल हो जाते हैं। ताजा मामला सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा महात्मा गांधी, सरदार पटेल, जवाहरलाल नेहरू के समकक्ष मोहम्मद अली जिन्ना को खड़ा करने का है। उन्होंने कह दिया कि सभी एक ही संस्थान से पढ़े, बैरिस्टर बने और आजादी के संघर्ष में भाग लिया। यह समझ से परे है कि जिस जिन्ना को आम भारतीय खलनायक के रूप में देखता है, उनका इन महापुरुषों के साथ नाम लेने की क्या आवश्यकता थी? अखिलेश को भी पता है कि जिन्ना भारत विभाजन के सबसे बड़े खलनायक थे। भाजपा के लिए विपक्ष द्वारा ऐसे मुद्दे मुंहमांगा वरदान साबित होते हैं। भाजपा किसी न किसी रूप में जिन्ना का नाम पूरे चुनाव तक जिंदा रखेगी। क्या अखिलेश भूल गए थे कि मतदाताओं के दूसरे समूह में इसके विरुद्ध प्रतिक्रिया भी हो सकती है? तो अखिलेश ने बिना बुलाए भाजपा के अभियान की तरकस में जिन्ना नाम का एक तीर दे दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसे मुस्लिम तुष्टीकरण का शर्मनाक नमूना बताते हैं तो उन्हें कैसे गलत कहा जाएगा? असदुद्दीन ओवैसी को भी कहना पड़ा कि अखिलेश रणनीतिकारों को बदलें। यह कोई पहली घटना नहीं है। अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण संघ परिवार और भाजपा के एजेंडे में रहा है। उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद केंद्र एवं प्रदेश सरकार ने निर्माण में तेजी ला दी तथा व्यवस्थित तरीके से कार्य आगे बढ़ रहा है। इसमें कोई भी पार्टी चुनाव पूर्व अयोध्या की यात्रा करती है, श्री राम का दर्शन करती है और कहती है कि वह परम भक्त है तो भाजपा किस रूप में भुनाएगी, इसकी कल्पना की जा सकती है। सपा, कांग्रेस और बसपा तीनों पर योगी आदित्यनाथ, अमित शाह सहित सारे नेता यह कहते हुए हमला करते हैं कि ये चुनावी राम भक्त हैं। कोई नेता अयोध्या जाए, राम का दर्शन करे, स्वयं को निष्ठावान हिंदू कहे, इसमें समस्या नहीं है लेकिन चुनावी दृष्टि से देखें तो इस पायदान पर भाजपा सबसे ऊंचाई पर दिखाई देगी। आखिर मंदिर निर्माण का फैसला आने से पहले ही योगी सरकार ने अयोध्या के पुनर्निर्माण की योजना बनाकर काम शुरू कर दिया था। अयोध्या दीपोत्सव महिमामंडित त्योहार के रूप में स्थापित किया गया। अयोध्या में श्रीराम की विशालकाय मूर्ति स्थापित हुई। फैजाबाद का नाम बदलकर अयोध्या रखा गया। धीरे-धीरे वाराणसी के समान अयोध्या को प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विख्यात करने की कोशिश हुई और उसमें काफी हद तक सफलता मिली। केंद्र सरकार ने रामायण सर्किट की शुरुआत कर अयोध्या को मुख्य केंद्र में रख दिया। इसमें विपक्ष भाजपा से कहां बाजी मार सकता है? पश्चिम बंगाल चुनाव के बाद विपक्ष में धारणा यह बनी है कि ममता बनर्जी ने स्वयं को निष्ठावान हिंदू साबित किया और इसका असर मतदाताओं पर पड़ा। यहां केवल इतना ही कहना पर्याप्त होगा कि बंगाल का चुनावी माहौल, सामाजिक- धार्मिक समीकरण अलग था। करीब 30 प्रतिशत मुस्लिम वोट तथा बड़े पैमाने पर वामपंथी सोच के मतदाताओं के रहते भाजपा के लिए तृणमूल को पराजित करना आसान नहीं था। पिछले चुनाव में भी अखिलेश ने अंकोरवाट की तर्ज पर विष्णु मंदिर बनाने की घोषणा कर दी। मतदाता उस समय प्रभावित नहीं हुए तो आज कैसे हो जाएंगे? भाजपा याद दिला रही है कि कांशीराम, मायावती और बसपा हिंदू देवी-देवताओं के बारे में कैसी बातें करते थे? हर पार्टी ब्राह्मण सम्मेलन कर रही है। आप ब्राह्मणों के बीच

जाकर उनके मुद्दे उठाएंगे तो भाजपा भी अपने कामों को सामने रखेगी और तुलना होगी। वाराणसी, अयोध्या, विंध्याचल, प्रयागराज और दूसरे धार्मिक-सांस्कृतिक रूप से प्रमुख स्थलों पर भाजपा को घेरना विपक्ष के लिए आत्मघात जैसा है। आतंकवादियों की गिरफ्तारी पर सपा और कांग्रेस या बसपा प्रश्न उठाती है तो फिर भाजपा बताती है कि देखो, ये तो आतंकवाद के समर्थक हैं। अपराधी व माफिया के विरुद्ध योगी की कार्रवाई पर प्रश्न उठाते हैं तो भाजपा उसे भुनाती है। कुल मिलाकर कहने का तात्पर्य यह कि उत्तर प्रदेश में विपक्ष भाजपा के खिलाफ एकजुट नहीं है तो मुद्दों को लेकर उसे पुनर्विचार करना होगा। भाजपा और सरकार के विरुद्ध ऐसे मुद्दे मिल सकते हैं, जिन पर उन्हें रक्षात्मक बनाया जा सकता है। इसके विपरीत यदि इसी रास्ते पर उनका चुनाव अभियान जारी रहा तो भाजपा का सत्ता में जाने का रास्ता वे स्वयं आसान बना देंगे।

सू-दोकू नवताल -1961

8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5

सू-दोकू 1960 का हल

3	4	7	8	1	9	2	5	6
5	9	2	3	6	7	4	1	8
8	6	1	4	2	5	9	3	7
2	3	5	6	9	8	7	4	1
1	8	6	7	4	3	5	2	9
4	7	9	1	5	2	8	6	3
6	2	3	9	7	4	1	8	5
7	5	8	2	3	1	6	9	4
9	1	4	5	8	6	3	7	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1961

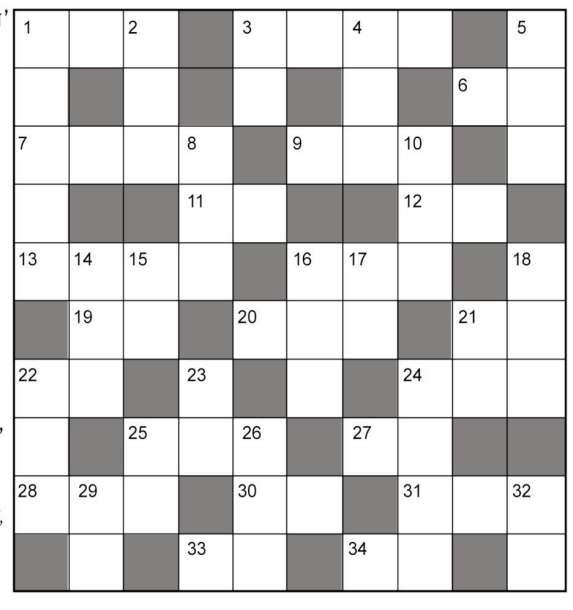

बायें से दायें:-

1. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-3
3. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-2,2
6. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-2
7. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-4
9. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-3
11. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-2
12. अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-2
13. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-4
16. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-3
19. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-2
20. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-3
21. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-2
22. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-2
24. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-3
25. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-3
27. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-2
28. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-3
30. 'अँखियां ये अँखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-2
31. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-3
33. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टारर रीमेक-2
34. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

16. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-3
17. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-2
18. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-3
21. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-2
22. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-3
23. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-2
24. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-4
25. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-2
26. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-3
29. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-2
32. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-2

फिल्म वर्ग पहेली-1960

उ	म	रा	व	जा	न		आ	गा	ज
मं		हु		न		र	ति		मा
ग	ज	ल		शी	बा		श	बा	ना
	मी		अ	न	जा	ना		रू	
स	र	ग	म		र		स	द	मा
हे		द	ला	ल		सु	र		ई
ली	ड	र		ज्ञा		ख		खे	ल
	कै		का		सो		आ		व
रा	त	औ	र	दि	न		रो		
खी			वॉ		म	न	प	सं	द

1. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-2,3
2. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-3
3. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-2
4. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-3
5. अजय देवगन, आयशाटाकिया की फिल्म-3
8. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-3
10. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-3
14. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-3
15. 'विक्टोरिया नं. 203' में प्राण का नाम-2

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंपनियों में से छह का बाजार पूंजीकरण 1.18 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंपे नियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,18,383.07 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। इस बढ़ोतरी में सबसे अधिक योगदान रिलायंस इंडस्ट्रीज का रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 619.07 अंक के लाभ में रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस और कोटक महिंद्रा बैंक के बाजार पूंजीकरण में वृद्धि हुई, वहीं एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक की बाजार हैसियत घट गई। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 59,437.12 करोड़ रुपए के उछाल से 16,44,511.70 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस दौरान इन्फोसिस के बाजार मूल्यांकन में 29,690.9 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 7,48,580.98 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी का मूल्यांकन 17,187 करोड़ रुपए के लाभ से 5,41,557.77 करोड़ रुपए और टीसीएस का 5,715.04 करोड़ रुपए के उछाल से 13,03,730.66 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसी तरह कोटक महिंद्रा बैंक की बाजार हैसियत 3,301.84 करोड़ रुपए बढ़कर 4,11,183.32 करोड़ रुपए और बजाज फाइनेंस की 3,051.17 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,57,355.51 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इस रुख के उलट सप्ताह के दौरान एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 22,545.39 करोड़ रुपए घटकर 8,60,436.44 करोड़ रुपए रह गया। एसबीआई की बाजार हैसियत 17,135.26 करोड़ रुपए घटकर 4,56,270.76 करोड़ रुपए रह गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 3,912.07 करोड़ रुपए घटकर 5,65,546.62 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक का 3,810.99 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 5,39,016.40 करोड़ रुपए रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, एसबीआई और कोटक महिंद्रा बैंक का स्थान रहा।

मीसो ई-कॉमर्स ऐप सबसे ज्यादा हुआ डाउनलोड

अक्टूबर 2021 में वैश्विक स्तर पर किया गया डाउनलोड

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ई-कॉमर्स ऐप मीसो एक ऐसी ऐप है जिसने कम समय में काफी लोकप्रियता बटोरी है। घरेलू सोशल कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीसो ने बुधवार को घोषणा कर बताया है कि वह अक्टूबर 2021 में वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा डाउनलोड किया जाने वाला ई-कॉमर्स ऐप बन गया है। ऐप एनी के अनुसार, मीसो को अगस्त से अक्टूबर, 2021 तक ऐप स्टोर और प्ले स्टोर पर 57 मिलियन से ज्यादा डाउनलोड किया गया है। इससे यह भारत में सभी कैटेगरीज में सबसे ज्यादा डाउनलोड किया जाने वाला ऐप बन गया है। मीसो के संस्थापक और सीईओ विदित आत्रे ने एक बयान में कहा है, हमने हमेशा अपने यूजर्स को अपने इनोवेशन्स के केंद्र में रखा है। चाहे वह हमारी इंडस्ट्री-फर्स्ट जीरो फीसदी कमीशन मॉडल हो या फिर एक एप्लिकेशन का निर्माण करना हो, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि मीसो को वो लोग भी एक्सेस कर पाएं जो दूर-दराज बैठे हैं। आत्रे ने आगे कहा, हमारी सफलता भारत के टियर 2 बाजारों के निर्माण पर एक लेजर-शार्प फोकस से आती है। हम सभी के लिए इंटरनेट कॉमर्स को लोकतांत्रिक बनाने के उद्देश्य से काम कर रहे हैं। हाल ही में सेंसर टॉवर के अनुसार, इस अवधि के दौरान मीसो अक्टूबर 2021 में दुनिया भर में टॉप 10 सबसे अधिक डाउनलोड किए जाने वाले गैर-गेमिंग ऐप में शामिल हो गया है। इस कैटेगरी में शामिल होने वाला यह एकमात्र भारतीय कंपनी और ई-कॉमर्स ऐप बन गया है। बता दें कि पिछले कुछ समय में मीसो का नाम लगभग हर किसी ने सुन ही लिया होगा। यह एक ऐसी ऐप है जहां से लोग खरीदारी तो कर ही सकते हैं, साथ ही पैसे भी कमा सकते हैं। आप यहां से लोगों को समान बेच सकते हैं और उस पर अपना कमीशन कमा सकते हैं।

भारत निर्यात में ऐतिहासिक ऊंचाई हासिल करने की राह पर: गोयल

(एजेंसी):

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में उछाल देखा जा रहा है और देश वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात के मामले में ऐतिहासिक ऊंचाई की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा, ''भारत मार्च में समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में 400 अरब डॉलर के वस्तुओं के निर्यात के लक्ष्य को हासिल कर लेगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा हम 150 अरब डॉलर के सेवाओं के निर्यात को भी हासिल करेंगे। ''ऐसे में हम वस्तुओं और सेवाओं के ऐतिहासिक निर्यात को हासिल करेंगे।'' गोयल ने यहां भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) का उद्घाटन करते हुए कहा कि देश में चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में 27 अरब डॉलर का रिकॉर्ड प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है। यह पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 62 प्रतिशत अधिक है। गोयल ने कहा कि आज दुनिया भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में देख रही है। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के बावजूद भारत ने वैश्विक समुदाय को सेवाओं के समर्थन में कोई चूक नहीं की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चला रही है। अभी तक लोगों को टीके की 110 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि अगले साल भारत में टीके की 500 करोड़ खुराक का उत्पादन किया जाएगा। देश में पांच या छह टीकों का उत्पादन होगा। गोयल ने कहा कि भारत दुनिया का उद्योग और सेवा केंद्र बन सकता है। उन्होंने कहा, ''गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धा और पैमाने के मामले में भारतीय उद्योग नई ऊंचाई पर पहुंच सकता है। आईआईटीएफ के जरिए हमें 'स्थानीय को वैश्विक बनाओ' और 'दुनिया के लिए भारत में बनाओ' के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी।

अमेजान देगा देश के 14 शहरों में देगा फल और सब्जियां, फ्रोजन और चिल्ड प्रोडक्ट्स

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अमेरिकी दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजान ने अपने ग्रोसरी स्टोर फ्रेश एंड पैंट्री का इंटिग्रेशन सिंगल यूनीफाइड स्टोर अमेजान फ्रेश में करने की घोषणा की है। ऐमजॉन फ्रेश देश के टॉप 14 शहरों में फल और सब्जियां, फ्रोजन और चिल्ड प्रोडक्ट्स जैसे डेयरी और मीट, ड्राई ग्रोसरी आइटम्स, ब्यूटी, बेबी, पर्सनल केयर, और पेट प्रोडक्ट्स के चयन की पेशकश करेगा। इन शहरों में उपभोक्ता सुबह 6 बजे से मध्यरात्रि तक दो-घंटे के डिलीवरी स्लॉट का भी आनंद उठा सकते है। भारत में 300 से ज्यादा शहरों में उपलब्ध नया स्टोर एक सिंगल ऑनलाइन डेस्टीनेशन के रूप में उपभोक्ताओं को बेजोड़ बचत, उत्पादों का विस्तृत चयन, और तेज एवं सुविधाजनक डिलिवरी विकल्प की निरंतर पेशकश जारी रखेगा।उपभोक्ताओं के लिए यह पहल 'प्रत्येक चीज' और 'प्रतिदिन' स्टोर बनने की प्रतिबद्धता से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि एकीकरण का मुख्य उद्देशय उपभोक्ताओं को बेहतर ऑनलाइन खरीदारी अनुभव उपलब्ध कराने पर केंद्रित हैं। इस लांच ने हमें हमारे डेडिकेटेड अमेजान फ्रेश एप-इन-एप अनुभव के माध्यम से ग्रोसरी के लिए खरीदारी अनुभव को आसान बनाने में सक्षम बनाया है।बचत की पेशकश के अलावा, ऐमजॉन फ्रेश किराने की ऑनलाइन खरीदारी के लिए बाधाओं को भी कम करेगा। ऐमजॉन फ्रेश देश के टॉप 14 शहरों (बेंगलुरु, दिल्ली, फरीदाबाद, गुरुग्राम, गाजियाबाद, नोएडा, अहमदाबाद, मैसूर, जयपुर, मुंबई, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे और कोलकाता) में फल और सब्जियां, फ्रोजन और चिल्ड प्रोडक्ट्स जैसे डेयरी और मीट, ड्राई ग्रोसरी आइटम्स, ब्यूटी, बेबी, पर्सनल केयर, और पेट प्रोडक्ट्स के चयन की पेशकश करेगा।

(शेयर बाजार समीक्षा) महंगाई और वै श्विक बाजारों के रुख से तय होगी शेयर बाजार की दिशा: विश्लेषक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कंपनियों के तिमाही पे रिणामों का सीजन लगभग समाप्त हो चुका है। ऐसे में कम कारोबारी सत्रों वाले इस सप्ताह में शेयर बाजारों की दिशा वै श्विक रुख, औद्योगिक उत्पादन, खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़ों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक बढ़ती महंगाई के प्रभाव का आकलन कर रहे हैं। अमेरिका और चीन ने पिछले सप्ताह मुद्रास्फीति के जो आंकड़े जारी किए हैं उनसे उम्मीद से पहले ब्याज दरों में बढ़ोतरी हो सकती है। इसके साथ ही बांड पर प्राप्ति बढ़ी है। अमेरिका में अक्टूबर में मुद्रास्फीति सालाना आधार पर 30 साल के उच्चस्तर 6.2 प्रतिशत पर पहुंच गई है। वहीं चीन में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक सालाना आधार पर 1.5 प्रतिशत बढ़ा है। उत्पादक मूल्य सूचकांक में सालाना आधार पर 13.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।मुद्रास्फीति की चिंता तथा उम्मीद से पहले ब्याज दरों में बढ़ोतरी से स्थानीय बाजार प्रभावित हो सकते हैं। इस तरह के संकेतकों की वजह से विदेशी निवेशक भारत जैसे उभरते बाजारों से अपनी पूंजी निकाल सकते हैं। स्थानीय बाजार लगातार तीन दिन की गिरावट के बाद शुक्रवार को चढ़ गए। बीते सप्ताह तीन दिन बाजार टूटा लेकिन इसके बावजूद साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 619.07 अंक चढ़ गया। बाजार के जानकारों का कहना है कि दूसरी तिमाही के नतीजों के बीच शेयर विशेष आधारित गतिविधियां देखने को मिल रही हैं।

अब बाजार का ध्यान वैश्विक संकेतकों पर रहेगा। उनका कहना है कि तिमाही नतीजों और त्योहारों का सीजन अब पीछे छूट चुका है। ऐसे में बाजार प्रभावित हो सकते हैं। मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी की वजह से यदि विदेशी संस्थागत निवेशक बिकवाली करते हैं, तो स्थानीय कंपनियों का समर्थन नहीं मिलने पर यहां बाजारों में गिरावट आएगी। थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े सोमवार को आएंगे। इस सप्ताह कम कारोबारी सत्र रहेंगे। शुक्रवार को गुरुनानक जयंती पर बाजार में अवकाश रहेगा। तिमाही नतीजों का सीजन समाप्त हो चुका है। कुछ छोटी और मध्यम आकार की कंपनियों के ही परिणाम अब आने शेष हैं।

फाल्गुनी नायर: अपने दम पर बनी भारतीय उद्योग जगत की नायका

नायका स्टॉक एक्सचेंज में प्रवेश करने वाली भारत की पहली महिला-नेतृत्व वाली कंपनी बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

फाल्गुनी नायर की कंपनी नायका स्टॉक एक्सचेंज में प्रवेश करने वाली भारत की पहली महिला-नेतृत्व वाली कंपनी बन चुकी है और उन्होंने अपने बलबूते देश की सबसे रईस महिलाओं में शुमार होकर यह साबित कर दिया है कि महिलाओं की किसी उपलब्धि पर पुरूषों के साथ उनकी तुलना या उन्हें पुरूषों के बराबर आंकना अब बेमानी है क्योंकि महिलाएं पुरूषों से कमतर तो कभी थी ही नहीं। फाल्गुनी की सफलता की यह कहानी किसी परिकथा से कम नहीं है। उन्होंने खुद से यह वादा किया था कि 50 साल की उम्र में वह अपना खुद का व्यापार शुरू करेंगी और 2012 में उन्होंने नायका की स्थापना करके इस वादे को निभाया। हालांकि उस वक्त उन्हें तो क्या दुनिया में किसी को यह एहसास नहीं था कि एक दिन उसी व्यापार की वजह से वह उद्योग जगत की मलिका बन जाएंगी। ब्लूमबर्ग की अरबपतियों की सूची में फाल्गुनी से पहले सिर्फ छह भारतीय महिलाओं को शामिल किया गया था। 58 वर्ष की फाल्गुनी नायका के लगभग आधे शेयर्स पर मालिकाना हक रखती हैं और स्टॉक एक्सजेंज में लिस्टिंग के साथ उनके शेयर्स में आए जबर्दस्त उछाल के बाद उनकी नेटवर्थ 6.5 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। एक समय सिर्फ महिलाओं में पहचाना जाने वाला यह नाम आज दुनियाभर में गूंज रहा है।

देशभर में उनकी कंपनी के 70 स्टोर और 1500 से अधिक ब्रांड हैं। फाल्गुनी का जन्म 19 फरवरी 1963 को मुंबई में रहने वाले एक गुजराती परिवार में हुआ। उन्होंने मुंबई में स्नातक स्तर की पढ़ाई करने के बाद अहमदाबाद के प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थान से उच्च शिक्षा ग्रहण की। पढ़ाई पूरी करने के बाद 1985 में नायर ने प्रबंधन परामर्श कंपनी ए एफ फर्गुसन एंड कंपनी में काम करना शुरू किया और 1993 में कोटक महिन्द्र ग्रुप के साथ जुड़ गईं। इस दौरान उन्होंने कामयाबी के नये आयाम स्थापित किए और कोटक महिंद्रा इन्वेस्टमेंट बैंक की प्रबंध निदेशक तथा कोटक सिक्योरिटीज में निदेशक के पद पर रहीं। 50 की उम्र तक पहुंचते पहुंचते अमूमन लोग रिटायरमेंट और उसके बाद के बारे में सोचने लगते हैं, लेकिन फाल्गुनी ने इस उम्र में एक बहुत बड़ा दांव खेला और अपनी बेहतरीन नौकरी छोड़कर नायका की शुरुआत की। दरअसल उस समय देश में महिलाओं के लिए विशिष्ट सौंदर्य उत्पाद बनाने वाली कंपनी न होने के कारण नायका को देश की महिलाओं ने हाथों हाथ लिया।

उसके बाद की कहानी तो अब हर किसी की जुबान पर है। नायका संस्कृत का शब्द है, जिसका अर्थ होता है अपने प्रमुख किरदार को निभाने वाली अभिनेत्री और इसमें दो राय नहीं हैं कि फाल्गुनी ने भारतीय बाजार में प्रवेश करके निवेशकों को जिस तरह से मालामाल कर दिया है, वह सही मायने में दलाल स्ट्रीट की नायका हैं।

देश का कोयला आयात अप्रैल-सितंबर में 12.6 प्रतिशत बढ़कर 10.73 करोड़ टन

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

चालू वित्त वर्ष के पहले छह माह (अप्रैल-सितंबर) के दौरान देश का कोयला आयात 12.6 प्रतिशत बढ़कर 10.73 करोड़ टन पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही में कोयला आयात 9.53 करोड़ टन रहा था। एमजंक्शन सर्विसेज के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। एमजंकशन टाटा स्टील और सेल का संयुक्त उद्यम है। यह एक बी2बी ई-कॉमर्स कंपनी है जो कोयले पर शोध रिपोर्ट भी प्रकाशित करती है। हालांकि, सितंबर महीने में कोयला आयात घटकर 1.48 करोड़ टन रह गया, जो पिछले साल के समान महीने में 1.90 करोड़ टन से अधिक था। सितंबर में कोयले के आयात में 21.97 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। एमजंक्शन सर्विसेज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय वर्मा ने कहा कि सितंबर में कोयले के आयात में गिरावट उम्मीद के अनुकूल है। इसकी वजह वैश्विक बाजारों में तापीय और कोकिंग कोयले की कीमतों में बढ़ोतरी है। समुद्री मार्ग से आने वाले कोयले की कीमतों में जबतक उल्लेखनीय कमी नहीं आती है, यह रुख जारी रहेगा। सितंबर में कुल कोयला आयात में नॉन-कोकिंग कोल का हिस्सा 92.2 लाख टन रहा। पिछले साल सितंबर में यह आंकड़ा 1.19 करोड़ टन रहा था। वहीं इस दौरान कोकिंग कोयले का आयात 45.8 लाख टन से घटकर 42.7 लाख टन पर आ गया। एमजंक्शन ने कहा कि सितंबर में प्रमुख और गैर-प्रमुख बंदरगाहों के जरिये देश के कोयला आयात में इससे पिछले महीने अगस्त, 2021 की तुलना में करीब 2.4 प्रतिशत की गिरावट आई है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.14 अरब डॉलर घटा

मुंबई (एजेंसी)।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 1.14 अरब डॉलर घटकर 640.87 अरब डॉलर पर आ गया, जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 1.91 अरब डॉलर बढ़कर 642.02 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार 5 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 88.1 करोड़ डॉलर घटकर 577.58 अरब डॉलर रह गया। इस दौरान स्वर्ण भंडार 23.4 करोड़ डॉलर गिरकर 38.77 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.7 करोड़ डॉलर कम होकर 19.28 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 1.4 करोड़ डॉलर घटकर 5.22 अरब डॉलर पर आ गया।

सरकार सौर विनिर्माण के लिए सहायता बढ़ाकर 24,000 करोड़ करेगी: आरके सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सरकार घरेलू सौर सेल और मॉड्यूल विनिर्माण के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत वित्तपोषण बढ़ाकर 24,000 करोड़ रुपए करेगी। अभी यह राशि 4,500 करोड़ रुपए है। बिजली और नवीन तथा नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने कहा कि हम सोलर सेल और मॉड्यूल्स के लिए 4,500 करोड़ रुपए की पीएलआई योजना लेकर आए। हमने बोलियां आमंत्रित कीं और हमें सौर उपकरणों के लिए 54,500 मेगावॉट क्षमता हासिल हुई। हमने सरकार से इस योजना के तहत 19,000 करोड़ रुपए और देने को कहा है। सैद्धान्तिक रूप से इसे मंजूरी मिल चुकी है। अब हमारे पास 24,000 करोड़ रुपए की पीएलआई योजना है। हम सौर उपकरणों का निर्यात करेंगे। फिलहाल देश में सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता 8,800 मेगावॉट की है। जबकि सौर सेल की विनिर्माण क्षमता 2,500 मेगावॉट है। इस साल अप्रैल में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सौर पीवी मॉड्यूल्स के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए 4,500 करोड़ रुपए की पीएलआई योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना के तहत एकीकृत सौर पीवी मॉड्यूल्स की विनिर्माण क्षमता में 10,000 मेगावॉट जोड़ने का लक्ष्य है। इसके लिए वर्तमान में 17,200 करोड़ रुपए के सीधे निवेश की जरूरत होगी।

मारुति सोनीपत में नया संयंत्र लगाएगी

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शनिवार को कहा कि वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी को सोनीपत के खरखोदा इलाके में 900 एकड़ से अधिक भूमि पर एक नया संयंत्र स्थापित करने की मंजूरी दे दी गई है।खट्टर ने हरियाणा उद्यम प्रोत्साहन केंद्र की बैठक की अध्यक्षता करने के दौरान यहां यह जानकारी दी।खट्टर ने यहां एक आधिकारिक बयान में कहा कि सोनीपत के खरखोदा इलाके में करीब 900 एकड़ जमीन पर मारुति का नया संयंत्र लगाने की मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि इससे मारुति का उत्पादन और बढ़ेगा, जिससे राज्य में ऑटोमोबाइल क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा।

मणप्पुरम फाइनेंस का मुनाफा 8.8 फीसदी गिरा

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मणप्पुरम फाइनेंस का मुनाफा समेकित लाभ आय में आई गिरावट से 8.8 फीसदी गिरकर 369.88 करोड़ रुपए पर आ गया। गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में उसका मुनाफा 405.44 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी के मुताबिक एक साल पहले की तुलना में जुलाई-सितंबर तिमाही में उसका लाभ 8.8 फीसदी गिरा है। हालांकि दूसरी तिमाही में उसकी समेकित प्रबंधन-अधीन परिसंपत्ति (एयूएम) 5.7 फीसदी की वृद्धि के साथ 28,421.63 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। मणप्पुरम फाइनेंस की परिचालन से होने वाली आय में 2.15 प्रतिशत की कमी आई है। यह एक साल पहले की समान अवधि के 1,565.58 करोड़ रुपए से घटकर 1,531.92 करोड़ रुपए पर आ गई। निदेशक मंडल ने प्रति शेयर 0.75 रुपए का अंतरिम लाभांश देने की घोषणा की है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में लगेंगे पौष्टिक खाद्य पदार्थों के स्टॉल

नई दिल्ली। इस साल भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में आयुष मंत्रालय के स्टॉल में पौष्टिक गुणों से भरपूर खाद्य पदार्थ मुख्य आकर्षण होंगे। ये खाद्य पदार्थ मधुमेह, मोटापे, पुराने दर्द और एनीमिया के रोगियों के लिए लाभप्रद हैं। पौष्टिक गुणों से लैस खाद्य पदार्थ (न्यूट्रास्युटिकल) मुख्य रूप से खाद्य स्रोतों से मिलते हैं, जिनमें अतिरिक्त स्वास्थ्य लाभ के साथ-साथ विशेष पोषण तत्व भी होते हैं। एक साल के अंतराल के बाद भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) का आयोजन 14-27 नवंबर तक राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में किया जा रहा है, जिसकी थीम आत्मनिर्भर भारत है। अधिकारियों के अनुसार व्यापार मेले में आयुष की विभिन्न विधाओं जैसे होम्योपैथी, आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और योग तथा प्राकृतिक चिकित्सा के अलग-अलग काउंटर होंगे। स्टॉल में इन विधाओं के चिकित्सक निःशुल्क परामर्श भी देंगे।

एस्टर डीएम हेल्थकेयर भारत में 900 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली । एस्टर डीएम हेल्थकेयर की भारत में कारोबार बढ़ाने के लिए अगले तीन साल में लगभग 900 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी से यह जानकारी मिली। एस्टर डीएम हेल्थकेयर के संस्थापक चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक आजाद मूपेन ने कहा कि कंपनी का 2025 तक अपने कुल कारोबार में से 40 प्रतिशत भारत से हासिल करने का लक्ष्य है। सितंबर में समाप्त तिमाही में कंपनी का मुनाफा तीन गुना उछाल के साथ 127.62 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं तिमाही के दौरान कंपनी की परिचालन आय 2,504.34 करोड़ रुपए रही। पिछली कुछ तिमाहियों या पिछले एक साल के दौरान हम भारत में आक्रामक रणनीति अपना रहे हैं। भारत एक बड़ी संभावनाओं वाला बाजार है और यहां मांग और आपूर्ति में काफी अंतर है। ऐसे में भारत हमारे लिए दीर्घावधि की वृद्धि वाले बाजारों में से है। उन्होंने कहा कि कंपनी भारत में कारोबार कर रही है, लेकिन वह यहां अपनी वृद्धि की रफ्तार बढ़ाना चाहती है। अभी हमारे कारोबार का 25 प्रतिशत भारत से मिल रहा है। हमारा इसे 40 प्रतिशत या और अधिक करने का लक्ष्य है।

Sports

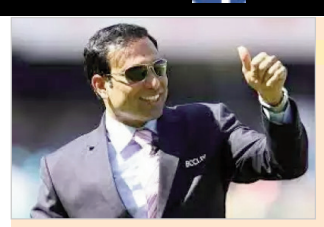

लक्ष्मण ने एनसीए प्रमुख बनने पर जताई सहमति : सूत्र

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई)पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण को बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) का प्रमुख बनने के लिए मनाने में कामयाब रहा है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी है। राहुल द्रविड़ के भारतीय टीम के मुख्य कोच बनने के बाद से ही ऐसी बातें सामने आ रही थीं कि लक्ष्मण को एनसीए का नया प्रमुख नियुक्त किया जा सकता है। हालांकि, पहले यह कहा गया कि पूर्व बल्लेबाज को इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है। लेकिन अब वह दुबई में बीसीसीआई अधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद एनसीए का प्रमुख बनने को तैयार हो गए हैं। सूत्रों ने कहा, कुछ समस्याएं थी, जिसे अब सुलझा लिया गया है। बोर्ड चाहता था कि वह जिम्मेदारी लें, क्योंकि वह द्रविड़ का स्थान लेने के लिए एकदम सही व्यक्ति हैं। आगे इस बात की भी जानकारी मिली है कि है एनसीए के लिए लक्ष्मण अपना कमेंट्री करियर भी छोड़ने के लिए भी तैयार हो गए हैं। वर्तमान में लक्ष्मण एक कमेंटेटर और क्रिकेट विश्लेषक होने के अलावा, आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद के मेंटर भी हैं। वह अब यह सब एनसीए के लिए छोड़ने को तैयार हो गए हैं।

छेत्री ने खेल रत्न मिलने पर इन लोगों का किया शुक्रिया, कहा- आपने मेरे लिए यह संभव कराया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार हासिल करने वाले पहले भारतीय फुटबॉलर सुनील छेत्री ने मोहन बागान क्लब से शुरू किया और 2005 में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया। 37 साल के इस खिलाड़ी ने शनिवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से खेल रत्न पुरस्कार हासिल किया। छेत्री ने कहा, 'मुझे खेल रत्न पुरस्कार मिलने का एक मुख्य कारण है कि मैं 19 साल से खेल रहा हूं। इसके लिए मैं प्रत्येक मालिशिये, फिजियो और डाक्टर का शुक्रिया करना चाहूंगा। आप सभी 'सुपरस्टार' की वजह से ही मैं मैदान पर खेल सका।' अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) द्वारा जारी बयान के अनुसार उन्होंने कहा, 'कई बार ऐसा भी समय आया जब मुझे लगा कि मैं नहीं कर सकता, लेकिन आप लोगों ने मेरे लिए यह संभव कराया।' छेत्री ने उन क्लबों का भी शुक्रिया अदा किया जिनके लिए वह खेल चुके हैं, साथ ही उन्होंने क्लबों और राष्ट्रीय टीम दोनों के साथियों, प्रशंसकों और अपने परिवार का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, 'इतने वर्षों तक आप मेरे साथ सब कुछ सहन करते रहे, मेरे साथ खुशी मनाते रहे, आप मेरे उतार चढ़ाव में हमेशा मेरे साथ थे, आपने मेरे साथ सपने देखे और मैं बहुत खुशी से यह पुरस्कार हर एक के साथ साझा करता हूं।' छेत्री देश के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं और सबसे ज्यादा गोल कर चुके हैं। 125 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 80 गोल करने के बाद वह सक्रिय खिलाड़ियों में गोल की संख्या में अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनल मेस्सी के बराबर हैं। वह उन चुनिंदा भारतीय फुटबॉलरों में से एक हैं जिन्हें पद्म श्री और अर्जुन पुरस्कार मिल चुका है। एआईएफएफ अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने छेत्री को खेल रत्न से नवाजे जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा, 'बधाई। सुनील से ज्यादा कोई इसका हकदार नहीं है। वह भारतीय फुटबॉल के लिये ध्वजवाहक और आदर्श रहे हैं, जिन्होंने अपने देश और अपने सभी क्लबों के लिये इतनी सारी उपलब्धियां हासिल की हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं भविष्य के लिये उन्हें शुभकामनायें देता हूं।' एआईएफएफ महासचिव कुशल दास ने भी उन्हें बधाई दी।

कहा कि शीर्ष स्तर पर इतने लंबे समय तक खेलने के कारण ही उन्हें देश के शीर्ष खेल सम्मान से नवाजा गया। भारतीय कप्तान छेत्री ने 2002 में अपना पेशेवर करियर

मंधाना की शानदार पारी से सिडनी थंडर की जीत, शेफाली के लिए निराशाजनक दिन

मैकॉय (एजेंसी)।

टी20 प्रारूप में भारतीय टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना की 45 रन की शानदार पारी से मौजूदा चैम्पियन सिडनी थंडर ने महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में रविवार को यहां सिडनी सिक्सर्स को छह विकेट से शिकस्त दी। भारत की सलामी बल्लेबाज मंधाना अर्धशतक पूरा करने से चूक गयी लेकिन उन्होंने 39 गेंद की पारी में छह चौके लगाए। उन्होंने कोरिन्ने हॉल (19) के साथ तीसरे विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी कर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। भारतीय हरफनमौला दीप्ति शर्मा (नाबाद चार रन) ने चौका लगाकर 28 गेंद शेष रहते टीम को जीत दिला दी। दीप्ति ने चार ओवर में सिर्फ 19 रन दिए। उन्हें हालांकि कोई सफलता नहीं मिली। सिडनी सिक्सर्स का प्रतिनिधित्व कर रही भारत की बायें हाथ की स्पिनर राधा यादव क्षेत्ररक्षण के दौरान चोटिल होने के कारण गेंदबाजी नहीं कर सकीं तो वहीं आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा 14 गेंद में आठ रन बनाकर दीप्ति की शानदार थ्रो पर रन आउट हो गई। सिक्सर्स की कप्तान एलिसे पैरी ने 40 गेंद में नाबाद 40 रन की पारी खेल टीम का स्कोर को छह विकेट पर 94 रन तक पहुंचाया। एक अन्य मैच में अनुभवी भारतीय स्पिनर पूनम यादव ने 3.2 ओवर में बिना किसी सफलता के 19 रन दिये। उनकी टीम ब्रिसबेन हिट्स को एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

मुरलीधरन ने की जयवर्धने की तारीफ, कहा- आप श्रीलंका क्रिकेट के सबसे अहम खिलाड़ी

दुबई। श्रीलंका के दिग्गज स्पिनर मुथैया मुरलीधरन ने अपने पूर्व साथी और आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले माहेला जयवर्धने को खेल का सबसे अच्छे जानकारों में से एक करार दिया। मुरलीधरन ने जयवर्धने को लिखे खुले पत्र में उन्हें श्रीलंका क्रिकेट इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक करार दिया। मुरलीधरन ने कहा कि आपने कई शानदार पारियां खेली और हमेशा टीम में रहकर और ढेर सारे रन बनाकर खुश रहे। मुझ पर विकेट लेने का दबाव कम था क्योंकि एक बार जब आप इतने सारे रन बना देते थे, तो मेरा काम आसान हो जाता था। इसलिए आप श्रीलंकाई क्रिकेट इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक हैं। हालांकि आप इससे भी बढ़कर एक शानदार इंसान हैं तथा क्रिकेट से इतर बेहद नम्र और दयालु व्यक्ति हैं।

अमेरिका को 2024 टी20 विश्व कप की मेजबानी सौंप सकता है आईसीसी

सिडनी (एजेंसी)।

अमेरिका के 2024 में टी20 विश्व कप की मेजबानी की संभावनाएं लगाई जा रही हैं क्योंकि आईसीसी की 2028 लास एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल कराने की मुहिम में यह टूर्नामेंट 'लांच पैड% के तौर पर काम कर सकता है। उम्मीद है कि आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) अमेरिका क्रिकेट और क्रिकेट वेस्टइंडीज की मिलकर मेजबानी करने की संयुक्त बोली को चुन सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार कि आईसीसी टूर्नामेंट के अगले चक्र के स्थलों पर फैसला निकट है और वैश्विक फोकस का मतलब होगा कि इन्हें हालिया समय की तुलना में व्यापक तौर पर वितरित किया जाए। अगर सब योजना के अनुसार चलता है तो बांग्लादेश में हुए 2014 टी20 विश्व कप के बाद यह पहला वैश्विक टूर्नामेंट होगा जिसकी मेजबानी न तो भारत और न ही इंग्लैंड या आस्ट्रेलिया करेंगे। आईसीसी लंबे समय से उभरते हुए देशों को इस बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी के अधिकार देने के बारे में सोच रहा है। 2024 टी20 विश्व कप में 20 टीमों के होने की उम्मीद है जिसमें 2021 और 2022 चरण (16 टीमों के बीच 45 मैच) की तुलना में 55 मैच कराए जाएंगे। आईसीसी 2024 और 2031 के बीच कई वैश्विक टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा जिसकी शुरूआत 2024 टी20 विश्व कप से होगी। आस्ट्रेलिया के एक रिपोर्ट के अनुसार कि इस महत्वपूर्ण कदम के अलावा अमेरिका को 2024 टूर्नामेंट का मेजबान चुनना ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल करने के लंबे इंतजार के लिए 'लांच पैड' के तौर पर भी काम करेगा ताकि इस खेल को लास एंजिल्स 2028 ओलंपिक के बाद 2032 ब्रिसबेन तक जारी रखा जा सके।

संक्षिप्त समाचार

स्टैफनी टेलर ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, वनडे में 5000 रन बनाने वाली तीसरी महिला क्रिकेटर बनीं

कराची । वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम की कप्तान स्टेफनी टेलर ने रविवार को 5000 वनडे रन पूरे किए और यह उपलब्धि हासिल करने वाली दुनिया की तीसरी महिला क्रिकेटर बन गईं। टेलर ने रविवार को नेशनल स्टेडियम कराची में पाकिस्तान दौरे के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में ये उपलब्धि हासिल की। भारत की महिला कप्तान मिताली राज 7391 रनों के साथ शीर्ष पर हैं जिसके बाद दूसरे नम्बर पर 5992 रन के साथ इंग्लैंड की चार्लोट मैरी एडवर्ड्स और तीसरे पर 5024 रन के साथ वेस्टइंडीज की स्टैफनी टेलर हैं। मैच में की बात करें तो वेस्टइंडीज ने तीसरे एकदिवसीय मैच में पाकिस्तान को 225/7 पर रोक दिया। शकीरा सेल्मन और आलिया एलेने ने वेस्टइंडीज के लिए दो-दो विकेट लिए। पाकिस्तान के लिए मुनीबा अली और आलिया रियाज ने क्रमशः 58 और 44 रन की पारी खेली।

मानसिक और भावनात्मक रूप से यह किसी अन्य साल से अलग : जोकोविच

तुरिन । शीर्ष रैंकिंग वाले टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने उम्मीद जताई कि हाल के दिनों में खेल से विश्राम (ब्रेक) के कारण वह एटीपी फाइनल्स के पांच साल के खिताबी सूखे को खत्म करने में सफल रहेंगे। जोकोविच ने नए सत्र से पहले 2 महीने के विश्राम के बारे में पूछे जाने पर कहा कि मेरे लिए उपलब्धि हासिल करने के दबाव के कारण यह साल मानसिक और भावनात्मक रूप से शायद किसी भी अन्य वर्ष की तुलना में अलग रहा है। आप जानते हैं कि मेरे पास इतिहास बनाने का मौका था। इसका मेरे खेल पर काफी असर पड़ा और मुझे ऐसा लगा कि मुझे फिर से मनोबल हासिल करने और सत्र को शानदार तरीके से खत्म करने के लिए ब्रेक की जरूरत है। उन्होंने कहा- पेरिस मास्टर्स में जीत के साथ बाद मैंने इंडोर सत्र का शानदार आगाज किया है और उम्मीद है कि इस साल अच्छा प्रदर्शन करना जारी रखूंगा। अन्य बड़े टूर्नामेंटों की तरह एटीपी फाइनल्स में भी जोकोविच का दबदबा रहा है लेकिन वह 2015 के बाद इसके चैम्पियन नहीं बने है। उन्होंने 2008 और फिर 2012 से 2015 तक लगातार चार बार ने इस खिताब को पांच बार जीतकर पीट सम्प्रास और इवान लेंडल के रिकॉर्ड की बराबरी की है, जो रोजर फेडरर के रिकॉर्ड से एक कम है। एटीपी फाइनल्स के पांच साल के खिताबी सूखे के बारे में 20 ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले इस खिलाड़ी ने कहा- इसकी एक वजह यह हो सकती है कि पूरे सत्र के दौरान काफी मेहनत करने के बाद आखिरी में इतनी ऊर्जा नहीं बचती है।

फीफा विश्व कप : अंतिम क्वालीफायर से पहले इटली के तीन और खिलाड़ी बाहर

फ्लोरेंस (एजेंसी) ।

उत्तरी आयरलैंड के खिलाफ होने वाले फीफा विश्व कप के अंतिम क्वालीफायर मुकाबले से पहले इटली के तीन और खिलाड़ी बाहर हो गए हैं। एलेसांद्रो बास्तोनी और डेविड कैलेब्रिया दोनों चोटिल हैं जबकि साथी डिफेंडर क्रिस्टियानो बिराघी निजी कारणों से टीम से अलग हो गए हैं। इटली के कोच रॉबर्टो मेनसिनी ने अटलांटा के डिफेंडर डेविड जापाकोस्टा को टीम में शामिल किया है। इटली के चार खिलाड़ी पहले ही चोट के कारण टीम से हट चुके हैं जिसमें कप्तान और डिफेंडर जॉर्जियो चिलेनी, फारवर्ड काइरो इमोबाइल और मिडफील्डर निकोलो जेनियोलो तथा लोरेंजो पेलेग्रिनी शामिल हैं। यूरोपीय चैंपियन इटली ने शुक्रवार को स्विट्जरलैंड से 1-1 से ड्रॉ खेला था जिससे ग्रुप सी में दोनों टीमों के समान अंक हैं। सोमवार होने वाले अंतिम क्वालीफायर से पहले इटली की टीम बेहतर गोल अंतर के कारण ग्रुप में शीर्ष पर है। सोमवार को स्विट्जरलैंड को बुल्गारिया की मेजबानी करनी है जबकि इसी दिन इटली की टीम बेलफास्ट में खेलेगी। ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम को अगले साल कतर में होने वाले विश्व कप में सीधे प्रवेश मिलेगा जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम मार्च में प्लेऑफ में खेलेगी। इटली की टीम पिछली बार स्वीडन के खिलाफ प्ले हाफ में हार के साथ विश्व कप में जगह बनाने में नाकाम रही थी।

चीन के खिलाफ विश्व कप क्वालीफाइंग अभियान को पटरी पर लाने की कोशिश करेगा ऑस्ट्रेलिया

सियोल । ऑस्ट्रेलिया फीफा विश्व कप एशियाई क्वालीफिकेशन में मंगलवार को चीन के खिलाफ शारजाह में खेले जाने वाले मैच में अपने अभियान को पटरी पर लाना चाहेगा। चीन की टीम भी इस मैच में पूरा जोर लगायेगी क्योंकि एक और हार के साथ क्वालीफाई करने की उसकी उम्मीदें लगभग खत्म हो जाएगी। अगले साल नवंबर में कतर में खेले जाने फुटबॉल विश्व कप क्वालीफाइंग के ग्रुप बी में काबिज ऑस्ट्रेलिया की टीम पिछले दो मैचों में एक ही अंक हासिल कर सकी है। टीम ग्रुप में सऊदी अरब से तीन अंक पीछे दूसरे स्थान पर है। जापान ऑस्ट्रेलिया से एक अंक पीछे तीसरे स्थान पर है। छह ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सीधे तौर पर विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगी। चीन ने अभी तक सिर्फ एक बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है। मौजूदा क्वालीफाइंग के पांच मैचों में उसके नाम चार अंक है। टीम की कोशिश ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहते हुए प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई करने की है। सऊदी अरब वियतनाम पर जीत के साथ छठी बार विश्व कप का टिकट कटाने के अपने अभियान को और मजबूत करने उतरेगा। जापान की टीम ओमान का सामना करेगी। ग्रुप ए में ईरान और दक्षिण कोरिया की टीमें मजबूती से शीर्ष दो स्थान पर है। ईरान के सामने सीरिया जबकि दक्षिण कोरिया के सामने इराक की चुनौती होगी। ग्रुप के एक अन्य मैच में लेबनान का सामना संयुक्त अरब अमीरात से होगा।

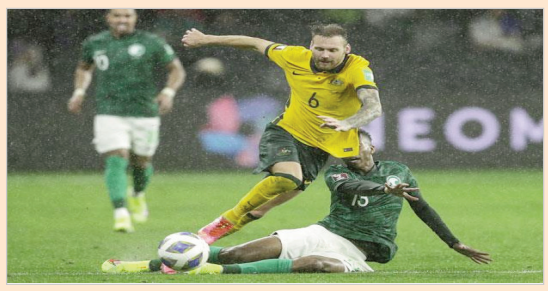

मैथ्यू वेड के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव की संभावना : फिंच

दुबई। रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप फाइनल को लेकर ऑस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच ने रविवार को कहा कि मैथ्यू वेड के बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आने की संभावना है ताकि वह अपनी बल्लेबाजी की काबिलियत को दिखा सकें। टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरी बार ऐसा हुआ कि जब वेड और मार्कस स्टोइनिस ने पाकिस्तान के खिलाफ मुश्किल लग रहे मैच में, हसन अली के कैच छोड़ने के बाद तीन गेंदों पर तीन छक्के लगाकर ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में पहुंचा दिया। मैच के 19वें ओवर में वेड ने सिर्फ 17 गेंदों में नाबाद 41 रन बनाकर पाकिस्तान के 176 रन के स्कोर को एक ओवर शेष रहते पूरा कर लिया। सेमीफाइनल में वेड के प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर फिंच ने कहा, हां, संभावित रूप से, हमने उस दिन उनको ऊपर के क्रम में भेजने की बात की थी, लेकिन पाकिस्तान के लेग स्पिनर शादाब खान के कारण उन्हें अंत के ओवरों के लिए रोक कर रखा। इसके बाद, जो उन्होंने किया वह सबको पता हैं। फिंच ने आगे कहा, वास्तव में वह (वेड) बल्लेबाजी क्रम में प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। हमने उन्हें सलामी बल्लेबाजी के साथ तीन पर भी खेलते देखा हैं और अब वह सात नंबर पर खेल रहे हैं। इसलिए वह हमारी टीम को काफी फायदा पहुंचाते हैं।

लड़कियों को अपने सपने पूरा करने के लिए प्रेरित करेगी मेरी यात्रा : मिताली राज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित होने वाली पहली महिला क्रिकेटर मिताली राज ने उम्मीद जताई कि उनकी उपलब्धियां देश की लड़कियों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करेगी। भारतीय महिला क्रिकेट की 38 साल की इस दिग्गज खिलाड़ी को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने देश के सर्वोच्च खेल सम्मान खेल रत्न से सम्मानित किया। करियर में 300 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वालीं मिताली की जिंदगी पर जल्द ही एक फिल्म भी रिलीज होने वाली है। मिताली मौजूदा साल में इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को हासिल करने वाले 12 खिलाड़ियों में से एक हैं। मिताली ने ट्विटर पर लिखा, ' खेल में महिलाएं परिवर्तन की शक्तिशाली उत्प्रेरक होती हैं और जब उन्हें वह सराहना मिलती है जिसकी वे हकदार होती हैं, तो यह अपने सपनों को पूरा करने की चाह रखने वाली कई अन्य महिलाओं में बदलाव के लिए प्रेरणास्रोत बनती हैं। भारतीय महिला टेस्ट और एकदिवसीय टीम की कप्तान ने कहा मुझे पूरी उम्मीद है कि मेरी यात्रा देश भर की युवा लड़कियों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करेगी। मिताली ने दो दशक से लंबे करियर में देश के लिए 12 टेस्ट, 220 एकदिवसीय और 89 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में देश का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने लिखा जब मैं बड़ी हो रही थी और इस खेल में करियर बनाने का सोचा तो मेरा सपना था कि टीम इंडिया की जर्सी पहनूं। मैं हमेशा से ही भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहती थी जो देश के लिए गर्व की बात है। भारतीय क्रिकेट का हिस्सा बनने पर गौरवान्वित महसूस करती हूं। यह सफर शानदार रहा लेकिन मेंटॉर, परिवार, दोस्त और अपनी टीम की खिलाड़ियों के साथ के बिना यह संभव नहीं था। सरकार की तरफ से किसी भी तरह का सम्मान अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करता है।

सेमीफाइनल में हारने के बाद पाकिस्तान के ड्रेसिंग रूम में कुछ भी ठीक नहीं था : हेडन

लाहौर। पाकिस्तान के बल्लेबाजी सलाहकार मैथ्यू हेडन और गेंदबाजी सलाहकार वर्नोन फिलेंडर ने शनिवार को बताया कि आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में हारने के बाद पाकिस्तान ड्रेसिंग रूम में कुछ भी ठीक नहीं था। कप्तान बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम के खिलाड़ी पूरी तरह से टूट गए थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा शुक्रवार को पोस्ट किए गए एक वीडियो में हेडन और फिलेंडर 11 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया से पांच विकेट मिली हार के बाद ड्रेसिंग रूम के माहौल पर चर्चा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। टी20 विश्व कप के लिए बल्लेबाजी सलाहकार के रूप में नियुक्त किए गए हेडन ने कहा, जब आप ड्रेसिंग रूम का ऐसा माहौल देखते हैं तो आपको झटका नहीं लगता, बस दिल टूट जाता है, क्योंकि आप मैदान पर पूरी उम्मीदों के साथ जाते हो। लेकिन किसी कारण वश आप हार जाते हो तो यह अच्छा नहीं लगता। उन्होंने आगे कहा, इसलिए आप ड्रेसिंग रूम का माहौल पूरी तरह से अलग देखते हो, जहां खिलाड़ी पूरी तरह से टूट कर उदास बैठे रहते हैं। सेमीफाइनल को दो ऑस्ट्रेलियाई रणनीतिकारों कंगारुओं के कोच जस्टिन लैंगर और पाक बल्लेबाज सलाहकार हेडन के बीच मुकाबल देखा जा रहा था। लेकिन अंत में मार्कस स्टोइनिस (नाबाद 40) और मैथ्यू वेड (नाबाद 41) की शानदार पारी ने मैच को खत्म किया। जिसे पाकिस्तान का फाइनल में जाने का सपना टूट गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मंदिरों की नगरी वृन्दावन

मथुरा से 15 किमी.की दूरी पर वृन्दावन में भव्य एवं सुन्दर मंदिरों की बड़ी श्रृंखला इसे मंदिरों की नगरी बना देती है। मुख्य बाजार में बांके बिहारी जी का मंदिर सबसे अधिक लोकप्रिय है। यहां दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित ''गोविन्द देव मंदिर'' तथा उत्तर शैली में बना ''रंगजी मंदिर'' एवं कृष्ण-बलराम के मंदिर भी दर्शनीय हैं। वृंदा तुलसी को कहा जाता है और यहां तुलसी के पौधे अधिक होने के कारण इस स्थान का नाम वृंदावन रखा गया। मान्यता यह भी है कि वृंदा कृष्ण प्रिय राधा के सोलह नामों में एक है। बृजमण्डल की 84 कोसी परिक्रमा में वृंदावन सबसे महत्वपूर्ण है।

बांके बिहारी जी का मंदिर

बादामी रंग के पत्थरों एवं रजत स्तम्भों पर बना कारीगरी पूर्ण बांके बिहारी जी के मंदिर का निर्माण संगीत सम्राट तानसेन के गुरु स्वामी हरिदास ने करवाया था। जहां फूलों एवं बैंडबाजे के साथ प्रतिदिन आरती की जाती है जिसका दृश्य दर्शनीय होता है। मंदिर में दर्शन वैष्णव परम्परानुसार पर्दे में होते हैं। मंदिर भक्तगणों के दर्शन के लिए प्रात: 9 से 12 बजे तक एवं सायं 6 से 9 बजे तक मंदिर खुला रहता है।

निधीवन

यह एक ऐसा वन है जहां के पेड़ पूरे वर्ष हरे-भरे रहते हैं। यहां तानसेन के गुरु संत हरिदास ने अपने भजन से राधा-कृष्ण के युग्म रूप को साक्षात प्रकट किया था। यहां कृष्ण और राधा विहार करने आते थे। यहीं पर स्वामी जी की समाधि भी बनी है। जनश्रुति है कि मंदिर कक्ष में कृष्ण-राधा की शैय्या लगा दी जाती है तथा राधा जी का श्रृंगार सामान रख कर बन्द कर दिया जाता है। जब प्रात: देखते हैं तो सारा सामान अस्त-व्यस्त मिलता है। मान्यता है कि रात्रि में राधा-कृष्ण आकर इस सामान का उपयोग करते हैं।

श्री शाह मंदिर

निधीवन के समीप करीब 150 वर्ष प्राचीन श्री शाह का मंदिर बना है। सात टेढ़े-मेढ़े खम्भों पर बने इस मंदिर का निर्माण शाह बिहारी ने करवाया था। संगमरमर एवं रंगीन पत्थरों की शिल्प कला देखते ही बनती है। परिसर में कलात्मक फव्वारे भी लगाये गये हैं। मंदिर के फर्श पर पांवों के निशान एवं इन पर बनी कलाकृतियां सुन्दर प्रतीत होती हैं। शिखर एवं दीवारों पर आकर्षक मूर्तियां बनाई गई हैं।

श्री रंगनाथ मंदिर

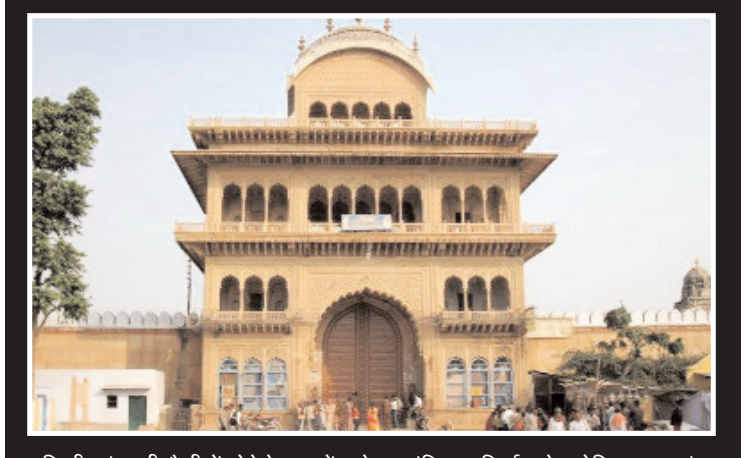

दक्षिणी एवं उत्तरी शैली में सोने के खम्भों वाले इस मंदिर का निर्माण सेठ गोविन्द दास एवं राधा कृष्ण ने 1828 ई.में करवाया था। मंदिर का प्रवेश द्वार राजस्थानी शैली में निर्मित है। सात परकोटों वाला यह मंदिर एक किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। मंदिर प्रांगण में 500 किलोग्राम सोने से बना 60 फीट ऊँचा सोने का गरूड़ स्तम्भ है। प्रवेश द्वार पर भी सोने के 19 कलश बनाये गये हैं। अद्वितीय वास्तुकला से सुसज्जित मंदिर का मुख्य आकर्षण है श्रीरंगनाथ जी। चाँदी व सोने का सिंहासन, पालकी एवं चंदन का विशाल रथ दर्शनीय है। मंदिर परिसर में एक जलकुण्ड बना है। बताया जाता है कि यहां कृष्ण ने गजेन्द्र हाथी को मगरमच्छ के चंगुल से छुड़वाया था।

वृन्दावन के अन्य मंदिरों में श्री राधा मोहन मंदिर, कालीदह, सेवाकुंज, अहिल्या टीला, ब्रह्म कुण्ड, श्रृंगारवट, चीर घाट, गोविन्द देव मंदिर, काँच का मंदिर, गोपेश्वर मंदिर एवं सवा मन सालिग्राम मंदिर आदि भी दर्शनीय हैं।

वैकुंठ धाम कहां और कैसा है

वैकुण्ठ का शाब्दिक अर्थ है- जहां कुंठा न हो। कुंठा यानी निष्क्रियता, अकर्मण्यता, निराशा, हताशा, आलस्य और दरिद्रता। इसका मतलब यह हुआ कि वैकुण्ठ धाम ऐसा स्थान है जहां कर्महीनता नहीं है, निष्क्रियता नहीं है। कहते हैं कि मरने के बाद पुण्य कर्म करने वाले लोग स्वर्ग या वैकुंठ जाते हैं। हालांकि वेद यह नहीं कहते हैं कि मरने वे बाद लोग स्वर्ग या वैकुंठ जाते हैं। वेदों में मरने के बाद की गतियों के बारे में उल्लेख मिलता है और मोक्ष क्या होता है इस पर ही ज्यादा चर्चा है। खैर, हम आपको पुराणों की धारणा अनुसार बताना चाहेंगे कि वैकुंठ धाम कहां है और वह कैसा है।

वैकुंठ धाम कहां है?

हिन्दू धर्म के अनुसार कैलाश पर महादेव, ब्रह्मलोक में ब्रह्मदेव बसते हैं। उसी तरह भगवान विष्णु का निवास वैकुंठ में बताया गया है। वैकुंठ लोक की स्थिति तीन जगह बताई गई है। धरती पर, समुद्र में और स्वर्ग के ऊपर। वैकुंठ को विष्णुलोक और वैकुंठ सागर भी कहते हैं। भगवान श्रीकृष्ण के बाद इसे गोलोक भी कहने लगे। चूंकि श्रीकृष्ण और विष्णु एक ही हैं इसीलिए श्रीकृष्ण के निवास स्थान को भी वैकुंठ कहा जाता है।

पहला वैकुंठ धाम

धरती पर बद्रीनाथ, जगन्नाथ और द्वारिकापुरी को भी वैकुंठ धाम कहा जाता है। चारों धामों में सर्वश्रेष्ठ हिन्दुओं का सबसे पावन तीर्थ बद्रीनाथ, नर और नारायण पर्वत श्रृंखलाओं से घिरा, अलकनंदा नदी के बाएं तट पर नीलकंठ पर्वत श्रृंखला की पृष्ठभूमि पर स्थित है। भारत के उत्तर में स्थित यह मंदिर भगवान विष्णु का दरबार माना जाता है।

बद्रीनाथ धाम में सनातन धर्म के सर्वश्रेष्ठ आराध्य देव श्री बद्रीनारायण भगवान के 5 स्वरूपों की पूजा-अर्चना होती है। विष्णु के इन 5 रूपों को 'पंच बद्री' के नाम से जाना जाता है। श्री विशाल बद्री, श्री योगध्यान बद्री, श्री भविष्य बद्री, श्री वृद्ध बद्री और श्री आदि बद्री। बद्रीनाथ के अलावा द्वारिका और जगन्नाथपुरी को भी वैकुंठ धाम कहा जाता है। कहते हैं कि सतयुग में बद्रीनाथ धाम की स्थापना नारायण ने की थी। त्रेतायुग में रामेश्वरम की स्थापना स्वयं भगवान श्रीराम ने की थी। द्वापर युग में द्वारिकाधाम की स्थापना योगीश्वर श्रीकृष्ण ने की और कलयुग में जगन्नाथ धाम को ही वैकुंठ कहा जाता है। पुराणों में धरती के बैकुंठ के नाम से अंकित जगन्नाथ पुरी का मंदिर समस्त दुनिया में प्रसिद्ध है। ब्रह्म और स्कंद पुराण के अनुसार पुरी में भगवान विष्णु ने पुरुषोत्तम नीलमाधव के रूप में अवतार लिया था।

दूसरा वैकुंठ धाम

दूसरे वैकुंठ की स्थिति धरती के बाहर बताई गई है। इसे ब्रह्मांड से बाहर और तीनों लोकों से ऊपर बताया गया है। यह धाम दिखाई देने वाली प्रकृति से 3 गुना बड़ा है। इसकी देखरेख के लिए भगवान के 96 करोड़ पार्षद तैनात हैं। हमारी प्रकृति से मुक्त होने वाली हर जीवात्मा इसी परमधाम में शंख, चक्र, गदा और पद्म के साथ प्रविष्ट होती है। वहां से वह जीवात्मा फिर कभी भी वापस नहीं होती। यहां श्रीविष्णु अपनी 4 पटरानियों श्रीदेवी, भूदेवी, नीला और महालक्ष्मी के साथ निवास करते हैं।

इसी वैकुंठ के बारे में कहा जाता है कि मरने के बाद विष्णु भक्त पुण्यात्मा यहां पहुंच जाती है। पुराणों के अनुसार इस वैकुंठ की स्थिति हमारे ब्रह्मांड के परे है। जीवात्मा जब उस वैकुंठ की यात्रा करती है, तो उसको विदा देने के लिए मार्ग में समय के देवता, प्रहर के देवता, दिवस के देवता, रात्रि के देवता, दिन के देवता, ग्रहों के देवता, नक्षत्रों के देवता, माह के देवता, मौसम के देवता, पक्ष के देवता, उत्तरायण के देवता, दक्षिणायन के देवता सभी तलों (अतल, सुतर, पाताल आदि) के देवता, सभी 33 कोटि के देवता पहले उसे पुन: किसी योनि में धकेलने का प्रयास करते हैं या वैकुंठ जाने देने से रोकते हैं। लेकिन जो जीवात्मा प्रभु श्रीविष्णु की शरणागति होता है उसको ये सभी एकपाद विभूति के अंतिम सीमा तक जाते हैं और त्रिपाद विभूति के बाहर प्रवाहित होने वाली विरजा नदी के तट पर छोड़ देते हैं।

इसी एकपाद विभूति में हमारा संपूर्ण ब्रह्मांड और सारे लोक अवस्थित हैं। इस एकपाद विभूति की सीमा के बाद शुरू होता है वैकुंठ धाम। पौराणिक मान्यता है कि इसी वैकुंठ धाम और एकपाद विभूति के मध्य विरजा नामक एक नदी बहती है। इस नदी से ही त्रिपाद विभूति शुरू होती है, जो वैकुंठ लोक है। मुक्त होने वाली जीवात्मा को जब सभी देवता विरजा नदी तक छोड़कर जाते हैं तब वह जीवात्मा नदी में डुबकी लगाकर उस पार चली जाती है। उस पार से पार्षदगण उसको सीधे श्रीहरि विष्णु के पास ले जाते हैं। वहां वह उनके दर्शन करके परम आनंद को प्राप्त करता है। इस प्रकार त्रिपाद विभूति में ही वह जीवात्मा सदा के लिए स्थापित हो जाती है। पुराणों में इस वैकुंठ धाम का बड़ा ही रोचक चित्रण किया गया है।

'हे अर्जुन! अव्यक्त 'अक्षर' इस नाम से कहा गया है, उसी अक्षर नामक अव्यक्त भाव को परमगति कहते हैं तथा जिस सनातन अव्यक्त भाव को प्राप्त होकर मनुष्य वापस नहीं आते, वह मेरा परम धाम है।।' - गीता अध्याय 8, श्लोक 21।।

तीसरा वैकुंठ धाम

भगवान श्रीकृष्ण ने द्वारिका के बाद एक ओर नगर बसाया था जिसे वैकुंठ कहा जाता था। कुछ इतिहासकारों के मुताबिक अरावली की पहाड़ी श्रृंखला पर कहीं वैकुंठ धाम बसाया गया था, जहां इंसान नहीं, सिर्फ साधक ही रहते थे। भारत की भौगोलिक संरचना में अरावली प्राचीनतम पर्वत है। भू-शास्त्र के अनुसार भारत का सबसे प्राचीन पर्वत अरावली का पर्वत है। माना जाता है कि यहीं पर श्रीकृष्ण ने वैकुंठ नगरी बसाई थी। राजस्थान में यह पहाड़ नैऋत्य दिशा से चलता हुआ ईशान दिशा में करीब दिल्ली तक पहुंचा है। अरावली या 'अर्वली' उत्तर भारतीय पर्वतमाला है। राजस्थान राज्य के पूर्वोत्तर क्षेत्र से गुजरती 560 किलोमीटर लंबी इस पर्वतमाला की कुछ चट्टानी पहाड़ियां दिल्ली के दक्षिण हिस्से तक चली गई हैं। अगर गुजरात के किनारे अर्बुद या माउंट आबू का पहाड़ उसका एक सिरा है तो दिल्ली के पास की छोटी-छोटी पहाड़ियां धीरज दूसरा सिरा।

वैकुंठ और परमधाम में अंतर

परमधाम- कहते हैं कि परमधाम में जाने के बाद जीवात्मा सदा के लिए जीवन और मरण के चक्र से मुक्त हो जाती है। यह धाम सबसे ऊपर अर्थात सर्वोच्च है। यहां निरंतर अक्षय सुख की अनुभूति होती रहती है। यह धाम स्वयं प्रकाशित है। यहां न सुख है और न दुख, यहां बस परम आंद ही है।

वैकुंठ धाम - मान्यता है कि इस धाम में जीवात्मा कुछ काल के लिए आनंद और सुख को प्राप्त करती है, लेकिन सुख भोगने के बाद उसे पुन: मृत्युलोक में आना होता है। इस स्थान को स्वर्ग से ऊपर बताया गया है। वैकुंठ के ऊपर कैलाश पर्वत है। वैकुंठ को सूर्य और चन्द्र प्रकाशित करते हैं। यहां गौर करें तो यह विष्णु का बद्रीनाथ धाम हो सकता है। हिन्दू धर्म के अनुसार भगवान श्रीविष्णु के धाम को वैकुंठ धाम कहा जाता है। आपने चार धामों के नाम तो सुने ही होंगे- बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम। इसमें से बद्रीनाथ धाम भगवान विष्णु का धाम है। मान्यता के अनुसार इसे भी वैकुंठ कहा जाता है। यह जगतपालक भगवान विष्णु का वास होकर पुण्य, सुख और शांति का लोक है।

'हे अर्जुन! जिस परम पद को प्राप्त होकर मनुष्य लौटकर संसार में नहीं आते, उस स्वयं प्रकाश परम पद को न सूर्य प्रकाशित कर सकता है, न चन्द्रमा और न अग्नि ही, वही मेरा परम धाम है।।' - गीता अध्याय 15, श्लोक 6।।

'हे अर्जुन! ब्रह्मलोक सहित सभी लोक पुनरावर्ती हैं, परंतु हे कुंतीपुत्र! मुझको प्राप्त होकर पुनर्जन्म नहीं होता, क्योंकि मैं कालातीत हूं और ये सब ब्रह्मादि के लोक काल द्वारा सीमित होने से अनित्य हैं।।' - गीता अध्याय 8, श्लोक 16।।

प्रभु श्रीराम के धनुष कोदंड की खासियत

कोदंड : एक बार समुद्र पार करने का जब कोई मार्ग नहीं समझ में आया तो भगवान श्रीराम ने समुद्र को अपने तीर से सुखाने की सोची और उन्होंने तरकश से अपना तीर निकाला ही था और प्रत्यंचा पर चढ़ाया ही था कि समुद्र के देवता वरुणदेव प्रकट हो गए और उनसे प्रार्थना करने लगे थे। बहुत अनुनय-विनय के बाद राम ने अपना तीर तरकश में रख लिया। भगवान श्रीराम को सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर माना जाता है। हालांकि उन्होंने अपने धनुष और बाण का उपयोग बहुत मुश्किल वक्त में ही किया। उनके धनुष बाण को कोदंड कहा जाता था।

देखि राम रिपु दल चलि आवा।
बिहसी कठिन कोदण्ड चढ़ावा।।

अर्थात शत्रुओं की सेना को निकट आते देखकर श्रीरामचंद्रजी ने हंसकर कठिन धनुष कोदंड को चढ़ाया।

बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि भगवान राम के धनुष का नाम कोदंड था इसीलिए प्रभु श्रीराम को कोदंड कहा जाता था। कोदंड का अर्थ होता है बांस से निर्मित। कोदंड एक चमत्कारिक धनुष था जिसे हर कोई धारण नहीं कर सकता था। कोदंड नाम से भिलाई में एक राम मंदिर भी है जिसे 'कोदंड रामालयम मंदिर' कहा जाता है। भगवान श्रीराम ने दंडकारण्य में 10 वर्ष से अधिक समय तक भील, वनवासी और आदिवासियों के बीच रहकर उनकी सेवा की थी।

कोदंड की खासियत : कोदंड एक ऐसा धनुष था जिसका छोड़ा गया बाण लक्ष्य को भेदकर ही वापस आता था। एक बार की बात है कि देवराज इन्द्र के पुत्र जयंत ने श्रीराम की शक्ति को चुनौती देने के उद्देश्य से अहंकारवश कौवे का रूप धारण किया और सीताजी को पैर में चोंच मारकर लहू बहाकर भागने लगा। तुलसीदासजी लिखते हैं कि जैसे मंदबुद्धि चींटी समुद्र की थाह पाना चाहती हो उसी प्रकार से उसका अहंकार बढ़ गया था और इस अहंकार के कारण वह-

।।सीता चरण चोंच हतिभागा।
मूढ़ मंद मति कारन कागा।।
।।चला रुधिर रघुनायक जाना।
सीक धनुष सायक संधाना।।

वह मूढ़ मंदबुद्धि जयंत कौवे के रूप में सीताजी के चरणों में चोंच मारकर भाग गया। जब रक्त बह चला तो रघुनाथजी ने जाना और धनुष पर तीर चढ़ाकर संधान किया। अब तो जयंत जान बचाने के लिए भागने लगा। वह अपना असली रूप धरकर पिता इन्द्र के पास गया, पर इन्द्र ने भी उसे श्रीराम का विरोधी जानकर अपने पास नहीं रखा। तब उसके हृदय में निराशा से भय उत्पन्न हो गया और वह भयभीत होकर भागता फिरा, लेकिन किसी ने भी उसको शरण नहीं दी, क्योंकि रामजी के द्रोही को कौन हाथ लगाए? जब नारदजी ने जयंत को भयभीत और व्याकुल देखा तो उन्होंने कहा कि अब तो तुम्हें प्रभु श्रीराम ही बचा सकते हैं। उन्हीं की शरण में जाओ। तब जयंत ने पुकारकर कहा- 'हे शरणागत के हितकारी, मेरी रक्षा कीजिए प्रभु श्रीराम।

आई.एस.आई. चीफ ने खालिस्तानी समर्थकों से की गुप्त मीटिंग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की गुप्तचर एजैंसी आई.एस.आई. चीफ नदीम अहमद अंजुम ने अपनी भारत विरोधी सोच का रंग दिखाना शुरू कर दिया है जिसके चलते अंजुम ने शाम आई.एस.आई. मुख्यालय पर खालिस्तानी समर्थकों के साथ एक गुप्त मीटिंग की। खालिस्तानी समर्थकों की अगुवाई खालिस्तान जिन्दा फोर्स के स्वंयभू मुखी रंजीत सिंह नीटा ने की। मीटिंग में खालिस्तानी समर्थकों को क्या आदेश या गाइडलाइन दी इसकी पुख्ता जानकारी तो नहीं मिल पाई है, परंतु भारतीय गुप्तचर एजैंसियों ने इस मीटिंग के चलते पंजाब सीमा पर चौकसी बढ़ाने का निर्णय लिया है।

ब्रिटेनःमंगेतर से जेल में शादी करेंगे विकिलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे, सरकार ने दी मंजूरी

लंदन। ब्रिटिश सरकार ने विकिलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे को मंगेतर स्टेला मॉरिस से जेल में शादी करने की मंजूरी दे दी है। इसी के साथ असांजे अब बेलमार्श जेल में शादी रचा सकेंगे। असांजे और मॉरिस ने 2015 में सगाई कर ली थी। उनके दो बेटे हैं। दोनों का जन्म विकिलीक्स संस्थापक के इक्वाडोर में शरण लेने के बाद हुआ था। ब्रिटेन की जेल सेवा ने असांजे के आवेदन को स्वीकार करते हुए कहा कि उनकी मांग पर भी आम जेल बंदियों की तरह जेलर की तरफ से ही विचार किया गया। मंजूरी मिलने के बाद स्टेला मॉरिस ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आगे उनकी शादी में कोई अड़चन नहीं आएगी।

ब्रिटेन के कानून के मुताबिक, जेल में बंद कैदियों को 1983 के मैरिज एक्ट के तहत जेल में भी शादी करने की इजाजत है। हालांकि, इसका पूरा खर्च शादी करने वालों को ही देना होता है और इसमें जनता का बिल्कुल पैसा नहीं लगता। बताया जाता है कि स्टेला मॉरिस और जूलियन असांजे की मुलाकात 2011 में हुई थी, तब स्टेला असांजे की कानूनी टीम में शामिल हुई थीं। मॉरिस का कहना है कि जब असांजे लंदन स्थित इक्वाडोर के दूतावास में थे, तब वे हर दिन उनसे मिलने जाती थीं और असांजे ने अपने दोनों बच्चों के जन्म को खुद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देखा था।

संकट में ऑस्ट्रेलिया का गौरवः यौन रोग फैलने के कारण दुर्लभ प्रजाति कोआला खतरे में

सिडनी। एक यौन संक्रामक रोग की वजह से ऑस्ट्रेलिया की दुर्लभ प्रजाति कोआला का वजूद खतरे में पड़ गया है। वन्य जीव विशेषज्ञों का कहना है कि तेजी से फैल रही बीमारी के कारण इस प्रजाति के पूरी तरह खत्म हो जाने की आशंका पैदा हो गई है। कोआला के लिए मुश्किल क्लैमाइडिया नाम की बीमारी बनी है। यह यौन संबंधों के दौरान फैलने वाला रोग है। इस रोग की वजह बैक्टीरिया का संक्रमण है। ये रोग मनुष्यों को भी होता है। एक अनुमान के मुताबिक हर साल दुनिया में दस करोड़ लोग इस यौन रोग से पीड़ित होते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि क्लैमाइडिया के बेकाबू रहने पर कोआला अंधेपन का शिकार हो जाते हैं। साथ ही उनकी प्रजजन नली में अल्सर हो जाता है। इसकी वजह से उनकी मौत भी हो सकती है। मनुष्य में क्लैमाइडिया का इलाज एंटी-बायोटिक्स से होता है। लेकिन कोआला में एंटी-बायोटिक का गंभीर दुष्प्रभाव देखने को मिला है। इसकी वजह से उनके पाचन तंत्र में मौजूद रहने वाले सूक्ष्म जीवाणु मर जाते हैं।

भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए खुशखबरी, अब हजारों भारतीय अमेरिकी महिलाओं को मिलेगा लाभ

वाशिंगटन। बाइडन प्रशासन ने एच-1बी वीजा धारकों के जीवनसाथियों को काम करने के अधिकार संबंधी मंजूरी स्वतः मिलने पर सहमति जताई है। इस कदम का लाभ हजारों भारतीय-अमेरिकी महिलाओं को मिलेगा। एच-1बी वीजा धारकों में बड़ी संख्या भारतीय आईटी पेशेवरों की है।

एच-4 वीजा, अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवाओं द्वारा एच-1बी वीजा धारकों के निकटतम परिजनों (जीवनसाथी और 21 साल से कम उम्र के बच्चे) को जारी किया जाता है। यह वीजा सामान्य तौर पर उन लोगों को जारी किया जाता है जो अमेरिका में रोजगार आधारित वैधानिक स्थायी निवासी दर्जे की प्रक्रिया पहले ही आरंभ कर चुके हैं। एच-1बी वीजा गैर-आव्रजन वीजा है जो अमेरिकी कंपनियों को विदेशी कर्मचारियों को रोजगार देने की इजाजत देता है।

इनके बूते आईटी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर वर्ष हजारों लोगों को नौकरी पर रखती हैं।

आव्रजकों के जीवनसाथियों की ओर से कुछ महीने पहले 'अमेरिकन इमीग्रेशन लॉयर्स एसोसिएशन' ने मुकदमा दायर किया था जिसके बाद गृहसुरक्षा विभाग इस समझौते पर पहुंचा।

तानाशाहीः चीनी तकनीकी फर्मों ने पाठ्यक्रमों से हटाईं तिब्बती व उइगर भाषाएं

बीजिंग। चीन की तकनीकी कंपनियां अपने पाठ्यक्रम से उइगर और तिब्बतियों की भाषाओं को हटाने में जुट गई हैं। वे इन्हें न सिर्फ पाठ्यक्रमों से सेंसर कर रही हैं बल्कि अपनी वेबसाइटों से भी इन भाषाओं में की गई टिप्पणियां प्रतिबंधित कर रही हैं। यूनेस्को के साथ साझेदारी करने वाले एक भाषा-शिक्षण एप टॉकमेट ने अपने आधिकारिक वीबो अकाउंट पर बताया कि वह सरकारी नीतियों के कारण तिब्बती और उइगर भाषा वर्गों को अस्थायी रूप से हटा चुका है। उसने यह घोषणा पिछले शुक्रवार को पोस्ट की थी। यह एप भाषाई विविधता के चलते 100 भाषाओं में पाठ्यक्रम सुविधा देता है। बिलिबिली नामक एक अन्य वेबसाइट ने उइगर और तिब्बती भाषा में पोस्ट की गई टिप्पणियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। अंतरराष्ट्रीय साइबर नीति केंद्र के वरिष्ठ विश्लेषक फर्गस रयान ने जब उइगर और तिब्बती जुबान में टिप्पणियां लिखने की कोशिश की तो उन्हें त्रुटि संदेश मिले। इनमें लिखा था कि टिप्पणी में संवेदनशील जानकारी है। जबकि अन्य गैर-मंदारिन भाषाओं में टिप्पणियां ठीक दिखाई दे रही हैं।

साउदर्न कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय को बम से उड़ाने की मिली धमकी, परिसर को कराया गया खाली

लॉस एंजिलिस। अमेरिका के लॉस एंजिलिस स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ साउदर्न कैलिफोर्निया (यूएससी) के परिसर की कई इमारतों को गुरुवार बम धमाके की धमकी मिलने के बाद खाली कराया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। विश्वविद्यालय ने लोगों को अपने परिसर से दूर रहने की अपील करते हुए गुरुवार को एक ट्वीट करते हुए कहा,''बम धमाके की धमकी के बाद ग्रेस फोड साल्वाटोरी हॉल, सैंपल हॉल और वालिस एनेनबर्ग हॉल को खाली कराया जा रहा है।'' विश्वविद्यालय के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट के मुताबिक, लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग और विश्वविद्यालय के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग ने इलाके की तलाशी ली।आधे घंटे बाद कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने इमारतों को सुरक्षित करार दिया और फिर इन्हें दोबारा खोला गया। यूएससी में साल 2021-22 के शैक्षणिक सत्र में करीब 49,500 विद्यार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया है, जिनमें से 6,300 से अधिक चीन से हैं।

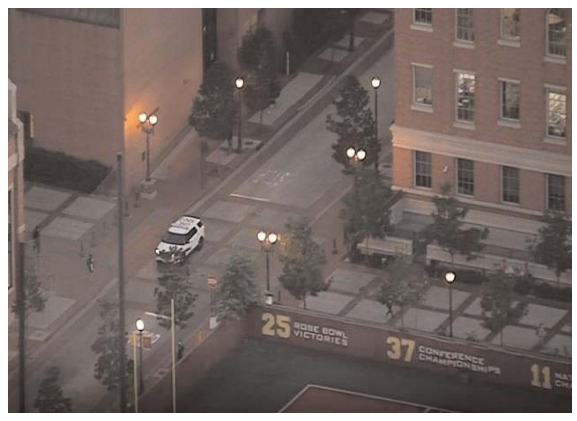

तालिबान का खौफः अफगानिस्तान से अब तक 3 लाख लोग भागकर ईरान पहुंचे

काबुल। तालिबान के खौफ के चलते अफगानिस्तान से रोजाना लोग भागकर ईरान पहुंच रहे हैं। ईरान में अब तक 3 लाख लोग पहुंच चुके हैं।

यह एक ऐसी स्थिति है जिससे यूरोप में शरणार्थी संकट खड़ा हो सकता है। नॉर्वेजियन रिफ्यूजी कौंसिल के महासचिव जेन इंग्लैंड ने इस सप्ताह अफगानिस्तान की सीमा से लगे पूर्वी ईरान के करमन प्रांत के समीप शरणार्थियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि तालिबान के शासन के बाद अफगानिस्तान से भाग रहे लोगों को उम्मीद, भोजन और देखभाल प्रदान करने के लिए काफी कुछ करने की जरूरत है।

विश्वभर में विस्थापितों की संख्या 8.4 करोड़ से अधिक

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजैंसी ने गुरुवार को कहा कि विश्वभर में अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए लोगों की संख्या इस वर्ष की पहली छमाही में बढ़कर 8.4 करोड़ से अधिक हो सकती है और यह विशेष रूप से अफ्रीका में संघर्षों के कारण अधिक बढ़ी।

इनमें से अधिकतर अपने ही देश में विस्थापित हैं। जनवरी से जून के बीच 33 देशों में 43 लाख से अधिक नए लोगों का आंतरिक रूप से विस्थापन हुआ।

अफगानिस्तान के मामलों में पाकिस्तान लंबे समय से विध्वसंकारी भूमिका निभाता आ रहा : सीआरएस रिपोर्ट

काबुल। अफगानिस्तान पर एक 'कांग्रेशनल' रिपोर्ट में कहा गया कि अफगानिस्तान से जुड़े मामलों में पाकिस्तान लंबे समय से सक्रिय और कई मामलों में विध्वंसकारी एवं अस्थिरता लाने जैसी भूमिका निभाता रहा है, जिसमें तालिबान को समर्थन देने के लिए एक प्रावधान का सहारा लेना भी शामिल है।

'द्विपक्षीय कांग्रेशनल शोध सेवा (सीआरएस) की एक रिपोर्ट में कहा गया कि यदि पाकिस्तान, रूस और चीन जैसे अन्य देश और कतर जैसे अमेरिका के साझेदार तालिबान को और मान्यता देने की दिशा में बढ़ेंगे तो इससे अमेरिका अलग-थलग पड़ सकता है। वहीं, अमेरिकी दबाव का विरोध करने, उससे बच निकलने के तालिबान को और अवसर मिलेंगे। रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका का और दंडात्मक रवैया अफगानिस्तान में पहले से गंभीर बने मानवीय हालात को और गहरा कर सकता है। सीआरएस रिपोर्ट, सांसदों को विभिन्न मुद्दों पर जानकारी देने के लिए तैयार की जाती है ताकि उसके आधार पर वे निर्णय ले सकें। इसे अमेरिकी कांग्रेस की आधिकारिक सोच या रिपोर्ट नहीं माना जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया, ''अफगानिस्तान के मामलों में पाकिस्तान लंबे समय से सक्रिय और कई मायनों में विध्वंसकारी एवं अस्थिरता फैलाने वाली भूमिका निभाता रहा है, जिसमें तालिबान को समर्थन देने संबंधी प्रावधान भी शामिल है।'' इसमें कहा गया, ''कई पर्यवेक्षक अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे को पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण जीत के रूप में देखते हैं, जिससे अफगानिस्तान में उसका प्रभाव बढ़ा है और वहां भारत के प्रभाव को सीमित करने के उसके दशकों से चले आ रहे प्रयासों को भी बढ़ावा मिला है।''

रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका का और दंडात्मक रवैया अफगानिस्तान में पहले से गंभीर बने मानवीय हालात को और गहरा कर सकता है।

बांग्लादेश में ग्राम परिषद चुनाव के दौरान हिंसा में 7 लोगों की मौत

ढाका। बांग्लादेश में ग्राम परिषद चुनाव के लिए मतदान हुए, जिनमें सत्तारूढ़ दल की स्थिति और मजबूत होने की संभावना है लेकिन दक्षिण एशियाई राष्ट्र में लोकतंत्र की स्थिति को लेकर चिंताएं भी व्यक्त की जा रही हैं। इस चुनाव के दौरान हुई हिंसा में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी ने यह कहते हुए चुनाव का बहिष्कार किया कि विषम राजनीतिक माहौल निष्पक्ष भागीदारी को रोक रहा है।

देश में पिछले दो राष्ट्रीय चुनावों में कदाचार के व्यापक आरोप लगाए गए थे और बांग्लादेश में, खासकर ग्रामीण परिषदों के चुनाव में राजनीतिक हिंसा के कारण मतदान प्रभावित हुआ है। यह देर तक स्पष्ट नहीं था कि सत्तारूढ़ अवामी लीग पार्टी के कितने सदस्यों को ग्रामीण परिषदों का प्रमुख चुना गया है।

देश में विभिन्न स्थानों पर चुनाव के दौरान हुई हिंसा में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई है। मुख्य चुनाव आयुक्त केएम नूरुल हुदा ने मतदान से पहले चुनावी हिंसा के खिलाफ चेतावनी दी थी और कहा था कि किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं।

बांग्लादेश में चुनाव संबंधी हिंसक घटनाओं में इस महीने कम से कम नौ लोग मारे गए हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं। ढाका स्थित मानवाधिकार समूह आईन-ओ-सालिश केंद्र के अनुसार, जनवरी से अब तक चुनाव संबंधी हिंसा में 85 लोग मारे गए हैं और 6,000 से अधिक घायल हुए हैं।

चुनाव में एक करोड़ 50 लाख से अधिक मतदाता 835 परिषदों में प्रतिनिधियों का चयन करने के लिए पात्र थे। कुल 4,571 परिषदें हैं, जिनके लिए चुनाव हो रहा है। इन्हें संघ परिषद के रूप में जाना जाता है। ये स्थानीय स्तर पर सामुदायिक विकास और लोक कल्याण सेवाओं के लिए जिम्मेदार हैं। इनके लिए विभिन्न चरणों में मतदान हो रहा है।

जून में पहले चरण में, 204 परिषदों के लिए चुनाव हुए, जिसमें सत्ताधारी दल के 148 उम्मीदवार जीते और बाकी पर निर्दलीय उम्मीदवार विजयी रहे। विश्लेषकों का कहना है कि बृहस्पतिवार का चुनाव प्रधानमंत्री शेख हसीना की सत्तारूढ़ अवामी लीग पार्टी के वास्ते 2023 के लिए अगले आम चुनावों से पहले अपनी स्थिति को मजबूत करने का एक अवसर है। उनकी पार्टी ने 2014 और 2018 में पिछले दो आम चुनावों में हेराफेरी के आरोपों के बावजूद भारी जीत हासिल की थी।

देश में पिछले दो राष्ट्रीय चुनावों में कदाचार के व्यापक आरोप लगाए गए थे और बांग्लादेश में, खासकर ग्रामीण परिषदों के चुनाव में राजनीतिक हिंसा के कारण मतदान प्रभावित हुआ है। यह देर तक स्पष्ट नहीं था कि सत्तारूढ़ अवामी लीग पार्टी के कितने सदस्यों को ग्रामीण परिषदों का प्रमुख चुना गया है।

तालिबान विश्व के साथ संवाद में दिलचस्पी रखता हैः कुरैशी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि तालिबान विश्व के साथ संवाद करने में रुचि रखता है, ताकि अफगानिस्तान में उसकी सरकार को मान्यता मिले। साथ ही, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चेतावनी दी कि वे पिछली गलतियों को न दोहराएं, जब अफगानिस्तान को अलग-थलग किये जाने से कई समस्याएं खड़ी हो गई थी। अफगानिस्तान पर 'ट्रोइका प्लस' बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कुरैशी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से वित्तीय संसाधनों की कमी के कारण आसन्न मानवीय आपदा से बचने के लिए अफगानिस्तान की तुरंत मदद करने का आग्रह किया। बैठक में चीन, रूस और अमेरिका के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। पाकिस्तान पड़ोसी देश अफगानिस्तान की स्थिति पर चर्चा करने के लिए इस्लामाबाद में अमेरिका, चीन और रूस के वरिष्ठ राजनयिकों की मेजबानी कर रहा है। कुरैशी ने अंतरराष्ट्रीय मदद की गुहार लगाते हुए कहा, ''अफगानिस्तान बर्बाद होने के कगार पर है...वह वेतन भी नहीं दे सकता है।' उन्होंने कहा कि आम आदमी अकाल जैसी स्थिति का सामना कर रहा है, जिससे सरकार बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

उन्होंने कहा, ''इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आपातकालीन आधार पर सहायता प्रदान करनी चाहिए।' कुरैशी ने कहा कि तालिबान दुनिया के साथ संवाद में रुचि रखता है ताकि उसकी सरकार को मान्यता मिले। कुरैशी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अफगानिस्तान की संपत्तियों को मुक्त करने का भी आग्रह किया।

उन्होंने कहा, ''यह आर्थिक गतिविधियों को शुरू करने में मदद करेगा' और अफगानिस्तान सरकार की मदद करेगा। तालिबान द्वारा अफगानिस्तान में सत्ता पर कब्जा करने के बाद अमेरिका ने अफगान केंद्रीय बैंक की नौ अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की संपत्ति को जब्त कर लिया। उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि 'ट्रोइका प्लस' बैठक अफगान अंतरिम सरकार के लिए मददगार होगी और देश की धरती से आतंकवादियों को खत्म करने में भूमिका निभाएगी। गौरतलब है कि अफगानिस्तान 15 अगस्त से तालिबान शासन के अधीन है। उस समय तालिबान ने राष्ट्रपति अशरफ गनी की निर्वाचित सरकार को हटा दिया और उन्हें देश से भागने और संयुक्त अरब अमीरात में शरण लेने के लिए मजबूर कर दिया।

अफगानिस्तान में खमोश हो चुकी है काबुल फिल्म इंडस्ट्री, सिनेमाघरों में पसर गया है सन्नाटा

इस्लामाबाद। काबुल शहर में 1960 के दशक में खुले एरियाना सिनेमा हॉल में गतिविधियां अब थम चुकी हैं। दशकों से इस ऐतिहासिक सिनेमा हॉल ने अफगानों का मनोरंजन किया है और यह अफगानिस्तान के युद्धों, आशाओं और सांस्कृतिक बदलावों का साक्षी रहा है। तालिबान के आने के बाद अब बॉलीवुड फिल्मों और अमेरिकी एक्शन फिल्मों के पोस्टर हटा दिए गए हैं और गेट बंद हैं। तीन महीने पहले सत्ता पर फिर से कब्जा करने के बाद तालिबान ने एरियाना और अन्य सिनेमाघरों को बंद करने का आदेश दिया। तालिबान शासकों का कहना है कि उन्होंने अभी यह तय नहीं किया है कि वे अफगानिस्तान में फिल्मों को प्रदर्शित करने की अनुमति देंगे या नहीं। देश के बाकी हिस्सों की तरह एरियाना भी अजीब असमंजस में है, यह देखने के लिए कि तालिबान का कैसा शासन होगा। सिनेमा हॉल के लगभग 20 कर्मचारी अभी भी आते हैं। वह इस उम्मीद में अपनी उपस्थिति दर्ज करते हैं कि उन्हें उनका वेतन मिलेगा। ऐतिहासिक एरियाना सिनेमा हॉल राजधानी काबुल के चार सिनेमाघरों में से एक है। इस पर काबुल नगरपालिका का नियंत्रण है, इसलिए इसके कर्मचारी सरकारी कर्मचारी हैं और 'पेरोल' पर काम करते हैं।

एरियाना की निदेशक असिता फिरदौस (26) को भी सिनेमा हॉल में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। फिरदौस इस पद पर नियुक्त पहली महिला अधिकारी थीं। तालिबान ने महिला सरकारी कर्मचारियों को अपने कार्यस्थलों से दूर रहने का आदेश दिया है ताकि वे पुरुषों के साथ घुलमिल न सकें जब तक कि वे यह निर्धारित नहीं कर लेते कि उन्हें काम करने की अनुमति दी जाएगी या नहीं। फिरदौस 2001 के बाद युवा अफगानों की उस पीढ़ी का हिस्सा हैं, जो महिलाओं के अधिकारों के लिए अधिक से अधिक जगह बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। तालिबान के शासन ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

फिरदौस ने कहा, ''मैं केवल समय बिताने के लिए स्केच बनाने, ड्राइंग करने में समय बिताती हूं। मैं अब सिनेमा से जुड़ी गतिविधियों में हिस्सा नहीं ले सकती।' वर्ष 1996-2001 तक सत्ता में अपने पिछले शासन के दौरान तालिबान ने महिलाओं के काम करने या स्कूल जाने पर पाबंदी लगा दी थी। तालिबान ने फिल्मों और सिनेमा सहित संगीत और अन्य कलाओं पर भी प्रतिबंध लगा दिया।

'ट्रोइका प्लस' वार्ता में तालिबान से सभी आतंकवादी संगठनों से संबंध तोड़ने का आह्वान किया गया

इस्लामाबाद। अमेरिका, चीन, रूस और पाकिस्तान के वरिष्ठ अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को तालिबान से सभी अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी समूहों के साथ अपने संबंध तोड़ने और ''समावेशी और प्रतिनिधित्व'' वाली सरकार बनाने के लिए कदम उठाते हुए देश में किसी भी आतंकवादी संगठन को जगह देने से इनकार करने का आह्वान किया। इस्लामाबाद में चार देशों के विशेष अफगान प्रतिनिधियों की विस्तारित 'ट्रोइका बैठक' ने अफगानिस्तान में ताजा हालात की समीक्षा की और कहा कि यह उम्मीद है कि तालिबान अपने पड़ोसी देशों और बाकी दुनिया के खिलाफ आतंकवादियों द्वारा अफगान क्षेत्र के उपयोग को रोकने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करेगा।

वार्ता के समापन पर जारी संयुक्त वक्तव्य के अनुसार चारों देशों ने ''अफगानिस्तान में गंभीर मानवीय और आर्थिक स्थिति के बारे में गहरी चिंता व्यक्त की और अफगानिस्तान के लोगों के लिए अटूट समर्थन दोहराया।'' 'ट्रोइका' के विस्तारित समूह को 'ट्रोइका प्लस' के रूप में भी जाना जाता है। इसने दुनिया द्वारा अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के तत्काल प्रावधान का स्वागत किया। सदस्यों ने अफगानिस्तान की आर्थिक चुनौतियों के बारे में चिंताओं को स्वीकार किया और वैध बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाने के उपायों पर ध्यान केंद्रित करने की प्रतिबद्धता जताई।

'ट्रोइका प्लस' की बैठक तीन महीने के अंतराल के बाद हुई और तालिबान सरकार के साथ कैसे जुड़ना है, इस पर आम सहमति बनने की उम्मीद थी। इससे पहले, विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने 'विस्तारित ट्रोइका' के शुरुआती संबोधन में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से वित्तीय संसाधनों की कमी के कारण अफगानिस्तान को एक आसन्न मानवीय तबाही से बचने में तुरंत मदद करने का आग्रह किया। पाकिस्तान के विदेश मंत्री कुरैशी ने दुनिया को अतीत की गलतियों को न दोहराने की चेतावनी दी, जब अफगानिस्तान के अलगाव ने कई समस्याएं पैदा कीं। कुरैशी ने आशा जताई की 'ट्रोइका प्लस' समूह अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार के लिए मददगार होगा और अफगान धरती से आतंकवादियों को खत्म करने में भूमिका निभाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना

कोरोना से मिली राहत, देश में आए 11 हजार नए केस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना वायरस से भारत को थोड़ी राहत मिली है। देश में कोरोना वायरस के करीब 11 हजार नए केस सामने आए हैं और 285 लोगों की मौत हुई है। शनिवार की तुलना में रविवार को कोरोना से होने वाली मौतों की संख्या में बड़ी गिरावट देखने को मिली। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देश में रविवार को बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के 11271 नए केस आए और इस दौरान 11376 मरीज ठीक भी हुए। रविवार को जारी लेटेस्ट आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोविड-19 के 11,271 नए मामले आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,44,37,307 हुई, वहीं संक्रमण से 285 मरीजों की मौत होने से मृतक संख्या बढ़कर 4,63,530 हो गई है। वहीं, देश में उपचाराधीन रोगियों की संख्या घटकर 1,35,918 हो गई है। कोरोना वायरस संक्रमण के नये मामलों में दैनिक वृद्धि लगातार 37 दिनों से 20,000 से नीचे है और यह 140 दिनों से 50,000 से कम बनी हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 1,35,918 है जो कुल संक्रमितों की संख्या का 0.39 प्रतिशत है और यह मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है। कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.26 प्रतिशत दर्ज की गई है जो मार्च 2020 के बाद से सबसे ज्यादा है। पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 390 की कमी दर्ज की गई। दैनिक संक्रमण दर 0.90 प्रतिशत है। यह पिछले 41 दिनों से दो प्रतिशत से नीचे है। साप्ताहिक संक्रमण दर भी 1.01 प्रतिशत दर्ज की गई जो पिछले 51 दिनों से दो प्रतिशत से कम है। बीमारी से स्वस्थ होने वालों की संख्या बढ़कर 3,38,37,859 हो गई है जबकि मृत्यु दर 1.35 प्रतिशत है।

देश में राष्ट्रव्यापी कोविड-19 टीकाकरण अभियान के तहत कोविड-19 रोधी टीकों की कुल 112.01 करोड़ खुराक दी जा चुकी है।

दलित और आदिवासी समुदायों के लिए भाजपा कर रही यह खास तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राजनीतिक समीकरणों के साथ सामाजिक समीकरणों को भी साध कर 2024 की जमीन तैयार कर रही भाजपा दलित और आदिवासी समुदाय को अपने साथ लाने की रणनीति पर खास काम कर रही है। इसके लिए पार्टी विभिन्न राज्यों में अलग-अलग तरीके से इन समुदायों के बीच अपनी पहुंच बना रही है। भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर पूरा अभियान खड़ा करने की कोशिश में है। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से ही भाजपा लगातार सामाजिक समीकरणों को साध कर चुनावी सफलता हासिल कर रही है। यही वजह है कि उसने देश के तमाम राज्यों में अपनी मजबूत जमीन भी बनाई है। इस बीच विभिन्न जातीय समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले दलों के प्रभाव क्षेत्र में भी काफी सेंध लगाई है। हाल में जनजातीय गौरव दिवस मनाने का फैसला लेने के बाद भाजपा अब देशभर के आदिवासी समुदायों में पहुंच बनाने में जुट गई है। दरअसल झारखंड और पूर्वोत्तर के कुछ छोटे दलों को छोड़कर राष्ट्रीय स्तर पर आदिवासियों का प्रतिनिधित्व करने वाला कोई बड़ा दल नहीं है। गौरतलब है कि आदिवासी समुदाय का समर्थन पूर्व में कांग्रेस को और उसके बाद भाजपा को मिलता रहा है। विभिन्न सामाजिक समीकरणों में ओबीसी की राजनीति करने वाले दल तो बहुत संख्या में है। दलित राजनीति में भी देशभर में कई दल सक्रिय हैं। भाजपा की भावी रणनीति 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर है। इसमें वह ओबीसी और दलित समुदायों के साथ आदिवासी समुदाय को भी लक्ष्य कर रणनीतिक ताना-बाना बुन रही है। पार्टी के दलित व आदिवासी मोर्चों को भी सक्रिय किया जा रहा है, जो इन समुदायों के लिए केंद्र सरकार द्वारा लिए जा रहे फैसलों को लेकर लोगों के बीच जाएंगे और उन्हें अपने साथ जोड़ने का काम करेंगे। इसके लिए विभिन्न राज्यों में विशेष अभियान भी आयोजित किए जा रहे हैं। आने वाले महीनों में पार्टी दलित और आदिवासी समुदायों के लिए विशेष सम्मेलन करने की तैयारी भी चल रही है।

नेहरू की जयंती पर संसद नहीं आए स्पीकर राज्यसभा चेयरमैन

नई दिल्ली। कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि हर साल संसद में पंडित जवाहर लाल नेहरू की जयंती पर पारंपरिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है लेकिन इस बार न तो लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने इसमें शिरकत की और न ही राज्यसभा चेयरमैन वेंकैया नायडू ही पहुंचे। कांग्रेस पार्टी ने नेताओं के कार्यक्रम में शामिल न होने को लेकर नाखुशी जाहिर की है। 14 नवंबर को देश के पहले पीएम पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती होती है और हर साल संसद के सेंट्रल हॉल में लगी उनकी तस्वीर के आगे पुष्पांजलि अर्पित की जाती है। केंद्रीय मंत्रियों और दिग्गज बीजेपी नेताओं के कार्यक्रम में न आने पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्विटर पर नाखुशी जाहिर की और लिखा, आज संसद के सेंट्रल हॉल में जिनकी तस्वीर लगी है, उनके लिए आयोजित पारंपरिक समारोह में असाधारण दृश्य देखने को मिला। लोकसभा के स्पीकर अनुपस्थित थे। राज्यसभा के चेयरमैन अनुपस्थित थे। एक भी मंत्री मौजूद नहीं थे। क्या यह इससे भी बुरा हो सकता है संसद में हुए इस कार्यक्रम में लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्योग राज्य मंत्री भानू प्रताप सिंह वर्मा पहुंचे थे। उनके अलावा राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस चीफ सोनिया गांधी और अन्य कई सांसद भी संसद पहुंचे थे। संसद के सेंट्रल हॉल में पंडित जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर का अनावरण 5 मई, 1966 को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने किया था।

महाराष्ट्रः हिंसा के बाद नांदेड़ की स्थिति नियंत्रण और शांतिपूर्ण, 35 लोग गिरफ्तार

औरंगाबाद। पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा में हाल में हुई सांप्रदायिक हिंसा के खिलाफ महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में विगत दिनों पहले तोड़फोड-पथराव की घटना के बाद पुलिस ने अब तक 35 लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिलहाल नांदेड़ में स्थिति शांतिपूर्ण है। वहां शुक्रवार को पुलिस वाहन पर पथराव की घटना में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि हिंसा वजीराबाद इलाके और देगलुर नाका में हुई। पुलिस अधिकारी ने एक लाख रुपये की सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचने का अनुमान लगाया है। पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार शेवाले ने मीडिया को बताया, 'घटना को लेकर नांदेड़ में चार मामले दर्ज किए गए हैं। नांदेड़ पुलिस ने अब तक इस घटना में कथित रूप से शामिल 35 लोगों को गिरफ्तार किया है। स्थिति अब नियंत्रण में और शांतिपूर्ण है।' सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने सहित विभिन्न अपराधों के लिए मामले दर्ज किए गए हैं। त्रिपुरा में कथित सांप्रदायिक हिंसा के विरोध में कुछ मुस्लिम संगठनों द्वारा निकाली गई रैलियों के दौरान शुक्रवार को महाराष्ट्र के अमरावती, नांदेड़, मालेगांव (नासिक), वाशिम और यवतमाल में विभिन्न स्थानों पर पथराव हुआ था।

शासन को और बेहतर बनाने के लिए पीएम मोदी ने कैबिनेट को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी):

मोदी सरकार शासन को लेकर व्यावहारिक दृष्टिकोण पैदा करने के लिये युवा पेशेवरों को इसमें शामिल करने, सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों से सुझाव लेने और परियोजना निगरानी के लिए प्रौद्योगिकी का सर्वोत्तम उपयोग करने की योजना बना रही है। इसके अलावा आठ अलग-अलग समूह अन्य विभिन्न कदमों की निगरानी करेंगे। इन समूहों में समूचे मंत्रिपरिषद से सदस्य शामिल होंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 77 मंत्रियों को प्रौद्योगिकी-आधारित संसाधनों को विकसित करने तथा उनकी टीमों में भर्ती के लिये पेशेवरों का पूल बनाने के वास्ते आठ समूहों में विभाजित किया गया है। इसके अलावा मोदी सरकार में अधिक पारदर्शिता, सुधार और दक्षता लाने के लिए सभी मंत्रियों के कार्यालयों में इसी तरह की अन्य पहलों को अपनाया जाएगा। मंत्रियों को आठ समूहों में विभाजित करने की यह कवायद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली पूरी परिषद के 'चिंतन शिविरों' के बाद की गई, जिसमें से प्रत्येक बैठक लगभग पांच घंटे तक चली। ऐसे कुल पांच सत्र आयोजित किए गए। इनमें व्यक्तिगत दक्षता, केंद्रित कार्यान्वयन, मंत्रालय और हितधारकों के कामकाज, पार्टी समन्वय और प्रभावी संचार तथा संसदीय परिपाटियों पर चर्चा की गई। पिछले चिंतन शिविर में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने भी भाग लिया था। ये सभी बैठकें मुख्य रूप से मोदी सरकार की दक्षता और कार्य प्रणाली में सुधार पर केंद्रित थीं। सूत्रों ने कहा कि समूहों का गठन उस दिशा में एक और कदम है, जिसके तहत मोटे तौर पर मंत्रियों का दृष्टिकोण अधिक व्यावहारिक बनाकर शासन में समग्र सुधार पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि मंत्रिपरिषद के सभी 77 मंत्री इन आठ समूहों में से एक का हिस्सा हैं। प्रत्येक समूह में नौ से दस मंत्री शामिल हैं। हर समूह में एक मंत्री को समन्वयक के रूप में नामित किया गया है।

अखिलेश को गाजीपुर से विजय रथयात्रा निकालने की नहीं मिली इजाजत

गाजीपुर (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की गाजीपुर में होने वाली विजय रथ यात्रा को प्रशासन ने अनुमति नहीं मिली है। गाजीपुर जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का हवाला देकर अखिलेष की विजय रथ यात्रा को अनुमति न देकर उसे रद्द कर दिया है। बता दें कि अखिलेश यादव का 16 नवंबर को गाजीपुर से आजमगढ़ जाने का कार्यक्रम निर्धारित था और इसी दिन पीएम मोदी को पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का उदघाटन को करना है। उधर, सपा जिलाध्यक्ष रामधारी यादव ने पत्र जारी करके पार्टी अध्यक्ष के कार्यक्रम की तैयारी बताई है। इससे पहले सपा जिला कार्यालय पर शुक्रवार को रथयात्रा का रूट प्लान और कार्यक्रम की रूपरेखा का खाका खींचा गया। पूर्व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि पूर्वांचल में सपा की ओर से लगातार जनता से आशीर्वाद लेने के लिए विजयरथ जिले में चलेगा। गाजीपुर में सुल्तानपुर की सभा से अधिक भीड़ जुटेगी ऐसा लक्ष्य बनाएं। जंगीपुर विधायक डा. वीरेंद्र यादव ने कहा कि सपा के कामों का शिलान्यास और उद्घाटन कर भाजपा सरकार अपनी पीठ ठोंक रहे हैं। इनके पास अपना कोई काम नहीं है। अंत में हाल ही में बसपा से पार्टी में शामिल हुए पूर्व मंत्री डॉ. रमाशंकर राजभर और रमेश यादव का माल्यार्पण कर स्वागत किया। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण 16 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे और पूर्वी उत्तर प्रदेश के विकास की दृष्टि से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की बहुत बड़ी भूमिका होगी। इससे पहले योगी ने शुक्रवार को सुलतानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के उद्घाटन समारोह की तैयारियों की समीक्षा की और पत्रकारों को बताया कि जुलाई 2018 में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था और अब 16 नवंबर को प्रधानमंत्री इसका लोकार्पण भी करेंगे।

स्वतंत्रता सेनानी दादा से प्रेरित होकर सेना में भर्ती हुए भाई भी बना सैनिक

चुराचन्दपुर (एजेंसी)।

मणिपुर में शनिवार को उग्रवादियों के घात लगाकर किए गए हमले में शहीद हुए कर्नल विप्लव त्रिपाठी को देशभक्ति विरासत में मिली थी। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं संविधान निर्माता सभा के सदस्य रहे उनके दादा किशोरी मोहन त्रिपाठी के दिखाए रास्ते पर आगे बढ़ते हुए त्रिपाठी परिवार के दोनों बेटों ने सैनिक बनकर देश की सेवा करने का फैसला किया था। रायगढ़ शहर की किरोड़ीमल कॉलोनी में रहने वाले त्रिपाठी परिवार के मकान के सामने दोपहर बाद से लोगों की भीड़ लगी हुई है। सभी की आंखे नम हैं, लेकिन गर्व की अनभूति भी है। परिवार के सदस्यों को यकीन ही नहीं हो रहा है कि सुबह फोन पर अपनी कुशलता की जानकारी देने वाले कर्नल विप्लव और उनका परिवार कुछ देर बाद ही उग्रवादी हमले का शिकार हो गया। मणिपुर के चुराचन्दपुर जिले में शनिवार को उग्रवादी हमले में असम राइफल्स के खुगा बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल त्रिपाठी (41), उनकी पत्नी अनुजा (36), बेटे अबीर (पांच) तथा अर्धसैनिक बल के चार जवानों की मौत हो गई।

कर्नल त्रिपाठी के मामा राजेश पटनायक ने बताया कि शनिवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे त्रिपाठी की अपनी मां आशा त्रिपाठी से बातचीत हुई थी, लेकिन दोपहर बाद कर्नल विप्लव के माता-पिता को अपने बेटे, बहू और पोते की मौत की खबर मिली। पटनायक ने बताया कि विप्लव के भीतर देश भक्ति का जज्बा अपने दादा किशोरी मोहन त्रिपाठी के कारण पैदा हुआ था। उनके दादा संविधान सभा के सदस्य थे और क्षेत्र के जाने माने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। विप्लव जब 1994 में 14 वर्ष के थे, तब किशोरी मोहन त्रिपाठी का निधन हो गया था। उन्होंने बताया कि विप्लव को अपने दादा से बहुत लगाव था। पटनायक ने बताया कि विप्लव 2001 में लेफ्टिनेंट के रूप में भारतीय सेना में शामिल हुए थे। उनका ध्येय अपने दादा की तरह देश की सेवा करना था।

उनके पत्रकार पिता और सामाजिक कार्यकर्ता मां ने भी ऐसा करने के लिए उन्हें प्रेरित किया। पटनायक ने कहा कि उन्हें गर्व है कि उनके भांजे ने देश की सेवा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी है। पटनायक ने बताया कि 30 मई, 1980 को जन्मे विप्लव रायगढ़ शहर के एक स्कूल से पांचवीं कक्षा पास करने के बाद सैनिक स्कूल, रीवा (मध्य प्रदेश) में भर्ती हो गए थे।

जीत का स्वाद तो चखेगी पर चमक रहेगी फीकी

लखीमपुर (एजेंसी)।

किसान आंदोलन, लखीमपुर कांड और महंगाई की वजह से आलोचनाओं का सामना कर रही भारतीय जनता पार्टी के लिए राहत की बात यह है कि वह अब भी उत्तर प्रदेश चुनाव में जीत दर्ज करती नजर आ रही है। उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव है और सर्वे में एक बार फिर से वहां भाजपा की सरकार बनती दिख रही है। सर्वे में यूपी की जनता ने एक बार फिर से भाजपा पर भरोसा तो जताया है, मगर सितंबर-अक्टूबर के मुकाबले नवंबर में जनता का मिजाज काफी बदला भी है। लेटेस्ट सर्वे में भाजपा फिर से सत्ता पर काबिज होती दिख रही है, मगर उसे सीटों का बड़ा नुकसान होता दिख रहा है।

सितंबर, अक्टूबर और नवंबर के सर्वे की तुलना करें तो भले ही उत्तर प्रदेश में भगवा पार्टी जीत हासिल करती दिख रही हो, मगर इन तीन महीने में भाजपा के ग्राफ में बड़ी गिरावट देखी गई है।

जबकि सपा को बड़ा फायदा होता दिख रहा है। तो चलिए जानते समझते हैं कि सितंबर से लेकर अब तक जनता का कितना मूड बदला। सर्वे के अनुसार, उत्तर प्रदेश में बीजेपी को 213 से 221 सीटें तो अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी को 152-160 सीटें मिलती दिख रही हैं। बीएसपी को 16 से 20 सीटें, कांग्रेस को 6 से 10 सीटें और अन्य को 2 से 6 सीटें मिल सकती हैं। पिछले चुनाव में बीजेपी को 325 और सपा को 48 सीटें मिली थीं, जबकि बसपा को 19 और कांग्रेस को सात सीटें हासिल हुई थीं। नुकसान और फायदे की बात करें तो बीजेपी को करीब सौ सीटों का नुकसान हो रहा है।

जबकि समाजवादी पार्टी को इतनी ही सीटों का फायदा होता दिख रहा है। प्रियंका के नेतृत्व में कांग्रेस का कमाल सर्वे में नहीं दिख रहा है। वहीं वोट फीसदी की बात करें तो भाजपा को करीब 41 फीसदी वोट शेयर मिलने का अनुमान है। यह 2017 से थोड़ा सा कम है। सपा को 31 फीसदी तो बसपा को 15 फीसदी वोट मिलने का अनुमान है। कांग्रेस को 9 फीसदी वोट मिलता दिख रहा है।

यहां सपा को फायदा होता दिख रहा है, क्योंकि अखिलेश यादव की पार्टी को पिछले चुनाव में महज 23.6 फीसदी वोट ही मिले थे। उत्तर प्रदेश में भाजपा को 41 फीसदी वोट हासिल होता दिखा था, जबकि समाजवादी पार्टी के खाते में 32 फीसदी, बहुजन समाज पार्टी के खाते में 15 फीसदी, कांग्रेस को 6 फीसदी और अन्य के खाते में 6 फीसदी वोट जाने के अनुमान थे।

वहीं, सीटों के लिहाज से देखें तो अक्टूबर के सर्वे में भाजपा के खाते में 241 से 249 सीटें जाती दिखी थी। समाजवादी पार्टी के हिस्से में 130 से 138 सीटें आने का अनुमान था। वहीं, बसपा 15 से 19 के बीच और कांग्रेस 3 से 7 सीटों के बीच सिमटती दिखी थी। सर्वे के अनुसार, उत्तर प्रदेश में बीजेपी को 259 से 267 सीटें मिलती दिखी थी, वहीं अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी को 109-117 सीटें मिलती दिखी थी। बीएसपी को 12-16 सीटें, कांग्रेस को 3-7 सीटें और अन्य को 6-10 सीटें मिलती दिखी थी। वहीं, वोट प्रतिशत की बात करें तो बीजेपी गठबंधन को करीब 42 फीसदी, समाजवादी पार्टी गठबंधन को 30 फीसदी, बहुजन समाज पार्टी को 16 फीसदी, कांग्रेस को 5 फीसदी और अन्य को 7 फीसदी वोट शेयर हासिल होने की उम्मीद जताई गई थी।

संक्षिप्त समाचार

आनंद गिरि की आवाज का नमूना लेगी सीबीआई की फोरेंसिक टीम

नई दिल्ली।

महंत नरेंद्र गिरि की मौत के लिए जिम्मेदार बताए जा रहे आनंद गिरि के खिलाफ सीबीआई साक्ष्य एकत्र करने में जुट गई है। कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद अब सीबीआई की फोरेंसिक टीम जल्द ही प्रयागराज आने वाली है। टीम नैनी जेल में आनंद गिरि के आवाज का नमूना लेगी। इसके बाद उसकी विधि विज्ञानशाला में आवाज का मिलान कराया जाएगा। इसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। सीबीआई ने महंत नरेंद्र गिरि की मौत के मामले में पहले आनंद गिरि को कस्टडी रिमांड पर लेकर पूछताछ की। इसके बाद उनका लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने की अनुमति मांगी थी। कोर्ट से कहा था कि आनंद गिरि ने पूछताछ में झूठ बोले हैं, लेकिन इस जांच के लिए आनंद गिरि तैयार नहीं हुए थे। कोर्ट ने भी इस टेस्ट के लिए अनुमति नहीं दी। बाद में सीबीआई ने आनंद गिरि के आवाज का नमूना लेने की अनुमति मांगी तो कोर्ट ने आदेश कर दिया। बताया गया कि आवाज के नमूने का मिलान होगा तो उससे विवेचना का परिणाम गुणवत्ता परक हो सकता है। इस जांच के लिए आनंद गिरि ने भी कोई आपत्ति नहीं जताई। अब जेल में आनंद गिरि की आवाज का नमूना लेकर मिलान कराया जाएगा।कोर्ट से कहा था कि आनंद गिरि ने पूछताछ में झूठ बोले हैं, लेकिन इस जांच के लिए आनंद गिरि तैयार नहीं हुए थे। कोर्ट ने भी इस टेस्ट के लिए अनुमति नहीं दी। बाद में सीबीआई ने आनंद गिरि के आवाज का नमूना लेने की अनुमति मांगी तो कोर्ट ने आदेश कर दिया। बताया गया कि आवाज के नमूने का मिलान होगा तो उससे विवेचना का परिणाम गुणवत्ता परक हो सकता है। इस जांच के लिए आनंद गिरि ने भी कोई आपत्ति नहीं जताई। अब जेल में आनंद गिरि की आवाज का नमूना लेकर मिलान कराया जाएगा।

कोरोना लॉकडाउन का बच्चों पर पड़ा असर

नई दिल्ली । भारत में बच्चों के खिलाफ साइबर अपराध को लेकर एक हैरान करने वाला आंकड़ा सामने आया है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ओर से जारी ताजा आंकड़ों में देश में बच्चों के खिलाफ साइबर अपराध के मामलों में 400 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखने को मिली है। इसमें अधिकतर मामले यौन शोषण से जुड़ी हुई हैं जिसमें बच्चों को चित्रित करने वाली सामग्री छापने या फिर उसे प्रसारित करने से संबंधित है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों से संबंधित टॉप पांच राज्यों में उत्तर प्रदेश (170), कर्नाटक (144), महाराष्ट्र (137), केरल (107) और ओडिशा (71) शामिल हैं। ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार 2020 में बच्चों के खिलाफ ऑनलाइन अपराधों के कुल 842 मामले सामने आए, जिनमें से 738 मामले बच्चों को यौन कृत्यों में चित्रित करने वाली सामग्री को प्रकाशित करने या प्रसारित करने से संबंधित थे। एनसीआरबी के 2020 के आंकड़ों से पता चलता है कि 2019 की तुलना में बच्चों के खिलाफ हुए साइबर अपराधों (सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत पंजीकृत) में 400 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इसके मुताबिक 2019 में बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों के 164 मामले दर्ज किए गए थे, जबकि 2018 में बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों के 117 मामले सामने आए थे। इससे पहले 2017 में ऐसे 79 मामले दर्ज किए गए थे। गैर सरकारी संगठन 'क्राई-चाइल्ड राइट्स एंड यू' की मुख्य कार्यकारी अधिकारी पूजा मारवाह का कहना है कि पढ़ाई करने और अन्य कम्यूनिकेशन उद्देश्यों तक पहुंचने के लिए इंटरनेट पर अधिक समय बिताने के दौरान बच्चे भी कई प्रकार के जोखिमों का सामना कर रहे हैं। उनका कहना है कि पढ़ाई के लिए इंटरनेट पर अधिक समय बिताने के कारण बच्चे विशेष रूप से ऑनलाइन यौन शोषण, अश्लील संदेशों का आदान-प्रदान करना, पोर्नोग्राफी के संपर्क में आना, यौन शोषण सामग्री, साइबर-धमकी तथा ऑनलाइन उत्पीड़न जैसे कई अन्य गोपनीयता-संबंधी जोखिमों का सामना कर रहे हैं।

2020 में बच्चों के खिलाफ साइबर अपराध के मामलों में 400 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी

नई दिल्ली । सन 2019 की तुलना में 2020 में बच्चों के खिलाफ साइबर अपराध के मामलों में 400 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। इनमें से अधिकतर मामले यौन कृत्यों में बच्चों को चित्रित करने वाली सामग्री के प्रकाशन या प्रसारण से संबंधित हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ओर से जारी नवीनतम आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों से संबंधित शीर्ष पांच राज्यों में उत्तर प्रदेश (170), कर्नाटक (144), महाराष्ट्र (137), केरल (107) और ओडिशा (71) शामिल हैं। ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार 2020 में बच्चों के खिलाफ ऑनलाइन अपराधों के कुल 842 मामले सामने आए, जिनमें से 738 मामले बच्चों को यौन कृत्यों में चित्रित करने वाली सामग्री को प्रकाशित करने या प्रसारित करने से संबंधित थे। एनसीआरबी के 2020 के आंकड़ों से पता चलता है कि 2019 की तुलना में बच्चों के खिलाफ हुए साइबर अपराधों (सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत पंजीकृत) में 400 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इसके मुताबिक 2019 में बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों के 164 मामले दर्ज किए गए थे, जबकि 2018 में बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों के 117 मामले सामने आए थे। इससे पहले 2017 में ऐसे 79 मामले दर्ज किए गए थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रूस ने शुरू की एस-400 मिसाइल सिस्टम की डिलीवरी

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

भारत को जल्द ही रूस से एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम मिलने जा रहा है। रूस ने इस एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम को भारत पहुंचाना शुरू कर दिया है। इस एयर फिफेंस सिस्टम की क्षमता का अंदाजा आप इसे लगा सकते हैं कि यह सैकड़ों किमी दूर से दुश्मन की मिसाइल को पलभर में ही हवा में ध्वस्त कर सकता है। फिलहाल इस मिसाइल सिस्टम के पार्ट भारत में आने शुरू हो गए हैं। फेडरल सर्विस फॉर मिलिट्री टेक्निकल कोऑपरेशन के डायरेक्टर दिमित्री शुगेव ने दुबई एयर शो में कहा कि रूस ने भारत को एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति शुरू कर दी है। रूसी सरकार का मुख्य रक्षा निर्यात नियंत्रण संगठन है। वहीं, इंडियन डिफेंस इंटस्ट्री के सूत्रों ने कहा कि एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम के पार्ट भारत पहुंचने लगे हैं और उन्हें पहले पश्चिम सीमा के करीब किसी एक स्थान पर तैनात किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि ये वो इलाका होगा जहां से पाकिस्तान के साथ लगने वालीं पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं के दोनों हिस्सों के खतरों सो निपटा जा सकता है। भारतीय रक्षा उद्योग के सूत्रों ने कहा कि वायु रक्षा प्रणाली के हिस्से भारत पहुंचने लगे हैं और उन्हें पहले पश्चिमी सीमा के करीब तैनात किया जाएगा, जहां से पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं के दोनों हिस्सों पर पाकिस्तान और चीन के खतरों से निपटना जा सकता है। इस एयर डिफेंस सिस्टम के लिए भारत और रूस के बीच लगभग 35000 करोड़ रुपए का सौदा हुआ है। सौदे के तहत 400 किमी के हवाई रेंज से निपटने के लिए भारत को पांच स्क्वाड्रान मिलेंगे। इस साल के अंत तक पहली स्क्वाड्रन की डिलीवरी पूरी होने की उम्मीद है। सूत्रों ने कहा कि उपकरण को समुद्री और हवाई दोनों मार्गों से भारत लाया जा रहा है। देश में पहले स्क्वाड्रान की तैनाती के बाद वायुसेना देश के भीतर अपने कर्मियों की ट्रेनिंग के लिए संसाधन उपलब्ध कराने के साथ-साथ इसकी तैनाती को लेकर पूर्वी सीमाओं पर भी ध्यान देना शुरू कर देगी। भारतीय वायु सेना के कुछ अधिकारी और कर्मी एस-400 को ऑपरेट करने के लिए रूस में ट्रेनिंग भी ली है। यह एस-400 मिसाइल सिस्टम चार अलग-अलग मिसाइलों से लैस है जो दुश्मन के विवानों, बैलिस्टिक मिसाइलों और एडब्लयूएसीएस विमानों को क्रमशः 400 किमी, 250 किमी, 120 किमी और 40 किमी दूर से ध्वस्त कर सकती है। सूत्रों का कहना है कि रूस के साथ इस सौदे को लेकर बारगेनिंग करते हुए भारत लगभग एक अरब डॉलर कम करने में कामयाब रहा।

पहला कॉलम

ईडी और सीबीआई चीफ का कार्यकाल अब होगा 5 साल

-केंद्र सरकार ने रविवार को दो अलग-अलग अध्यादेश जारी किए

नई दिल्ली।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के प्रमुखों का कार्यकाल मौजूदा दो साल से बढ़ाकर अब पांच साल का हो गया है। इसी के मद्देनजर दो अलग-अलग अध्यादेश रविवार को जारी किए गए। अध्यादेश के मुताबिक, कार्यालय में दो साल पूरे होने के बाद यदि सेवा विस्तार को चयन समिति द्वारा मंजूर किया जाता है, तो ऐसी स्थिति कार्यकाल को एक बार में एक वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकता है। दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 में संशोधन करने वाले एक अध्यादेश के माध्यम से यह परिवर्तन प्रभावी हुआ था। इसी तरह के एक अन्य अध्यादेश में केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम, 2003 में संशोधन करते हुए ईडी प्रमुख के कार्यकाल को पांच साल तक बढ़ाने का प्रावधान किया गया है। हालांकि, इसके अंतर्गत कार्यकाल को एक साल में एक बार ही बढ़ाया जा सकेगा। यह अध्यादेश ऐसे समय में आया है, जबकि कुछ ही समय में संसद का शीतकालीन सत्र आयोजित होने वाला है। ईडी का नेतृत्व वर्तमान में आईआरएस संजय के। मिश्रा कर रहे हैं, जबकि आईपीएस सुबोध जायसवाल मौजूदा सीबीआई प्रमुख हैं।

हनी ट्रैप मामला, पाकिस्तानी महिला को खुफिया जानकारी देने के मामले में गिरफ्तार सेना का जवान

पटना ।

आईबी की सूचना पर बिहार एटीएस ने पटना में बड़ी कामयाबी हासिल की है। खुद को नेवी की मेडिकल टीम का स्टाफ बताने वाली पाकिस्तानी महिला को खुफिया जानकारी देने के आरोप में पटना के दानापुर इलाके से सेना के जवान को गिरफ्तार किया है। सेना के जवान पर आरोप है कि वह फीले ड इन्फार्मेशन पड़ोसी देश की महिला को फोन पर देता था।जवान पर कुछ गोपनीय दस्तावेज साझा करने के भी आरोप लगे हैं। हनी ट्रैप के मामले में गिरफ्तार जवान ने प्रारंभिक पूछताछ में अपना जुर्म कुबूल कर लिया है। आरोपित बिहार के नालंदा निवासी मुकेश कुमार है। उसकी अभी पुणे में पोस्टिंग है। जवान से खगौल थाने में आइबी, सेना के अधिकारी और एटीएस पूछताछ कर रही है। नालंदा जिले के अस्थावां गांव निवासी मुकेश कुमार सेना में मेडिकल कोर का जवान है। वर्तमान में उसकी पोस्टिंग महाराष्ट्र के पुणे में है।जवान पर आरोप है कि पाकिस्तान में रह रही एक महिला को सेना से जुड़ी खुफिया जानकारी साझा कर रहा था। महिला की जवान से फोन पर बात होती थी। आरोप यह भी है कि वह गोपनीय दस्तावेज भी पाकिस्तानी महिला से साझा करता था। आइबी की रिपोर्ट पर छठ के दो दिन पहले से ही बिहार एटीएस की टीम जवान के पीछे लगी थी। पुष्टि होने पर रविवार को उसकी गिरफ्तारी की गई। उसपर गुप्त जानकारी साझा करने का आरोप है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षकों का कहना पंजाब सरकार का फामूर्ला अपनाए केजरीवाल

नई दिल्ली ।

दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षकों का कहना है, कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार अपने कॉलेजों में शिक्षकों के समायोजन के लिए पंजाब सरकार का फामूर्ला अपनाए। खास बात यह है कि पंजाब सरकार के फामूर्ले की मांग स्वयं आम आदमी पार्टी से जुड़े शिक्षक संगठनों द्वारा उठाई गई है।आप के शिक्षक संगठन दिल्ली टीचर्स एसोसिएशन (डीटीए) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को यह प्रस्ताव भेजा है। इसमें दिल्ली सरकार के अंतर्गत आने वाले वित्त पोषित 28 कॉलेजों के शिक्षकों व कर्मचारियों के समायोजन स्थायीकरण करने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। आप सरकार के इन कॉलेजों में लगभग चार हजार शिक्षक व कर्मचारी पिछले एक दशक से अधिक से काम कर रहे है लेकिन उन्हें स्थायी नहीं किया गया। हाल ही में पंजाब सरकार ने अपने 36 हजार शिक्षकों व कर्मचारियों का समायोजन व स्थायीकरण किया है। भेजे प्रस्ताव में लिखा गया है कि पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, राजस्थान आदि राज्यों में समायोजन स्थायीकरण हुआ है, उसी की तर्ज पर दिल्ली सरकार भी अपने शिक्षकों व कर्मचारियों के लिए विधानसभा में विशेष सत्र के माध्यम से विधेयक लाकर समायोजन का फामूर्ला लागू करें। डीटीए के अध्यक्ष डॉ. हंसराज सुमन ने केजरीवाल सरकार को भेजे प्रस्ताव में मांग की है कि सरकार इन शिक्षकों व कर्मचारियों के समायोजन पर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर अपने 28 वित्त पोषित कॉलेजों के शिक्षकों व कर्मचारियों के लिए एक प्रस्ताव लेकर आए। इसमें एक समय में सभी का समायोजन व स्थायीकरण हो सके। उन्होंने बताया है कि पिछले एक दशक से अधिक से इन कॉलेजों में लगभग चार हजार एडहॉक टीचर्स व कर्मचारी काम कर रहे है लेकिन उन्हें स्थायी नहीं हुए है। एडहॉक शिक्षकों के पदों को भरने के लिए कुछ कॉलेजों ने दो बार विज्ञापन निकाले।कॉलेजों द्वारा निकाले गए विज्ञापनों के आधार पर बेरोजगार अभ्यर्थियों व एडहॉक शिक्षकों ने इन पदों के लिए आवेदन किया परन्तु इंटरव्यू कभी नहीं हुए और ना ही कॉलेजों ने आज तक कोई कोरिजेंडम ही निकाला। दिल्ली सरकार को भेजे गए प्रस्ताव में बताया है कि दिल्ली सरकार के अंतर्गत आने वाले वित्त पोषित 28 कॉलेजों में जहां साल 2006--2007 में एडहॉक टीचर्स की संख्या 10 फीसदी थी आज इन कॉलेजों में 60 से 70 फीसदी एडहॉक टीचर्स है।

2022 के चुनाव में कांग्रेस अपनी दम पर लड़ेंगे चुनाव: प्रियंका गांधी

बुलंदशहर (एजेंसी)।

कांग्रेस की छवि सुधारने में जुटीं प्रियंका गांधी ने रविवार को बुलंदशहर से प्रतिज्ञा सम्मेलन लक्ष्य की शुरुआत की। प्रियंका गांधी ने कहा, कई पार्टी कार्यकर्ताओं ने मुझसे आगामी विधानसभा चुनाव के लिए किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करने के लिए कहा है। मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम सभी सीटों पर लड़ेंगे और अकेले लड़ेंगे। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी आज छोटीकाशी अनूपशहर में वेस्ट यूपी के 14 जिले के कांग्रेस पदाधिकारियों को विधानसभा चुनाव में जीत दिलाने की प्रतिज्ञा कराने पहुंची थीं। गंगा किनारे दुर्गा प्रसाद बलजीत सिंह महाविद्यालय में आयोजित लक्ष्य 2022 पदाधिकारी प्रतिज्ञा सम्मेलन को प्रियंका गांधी ने बोलना शुरू किया तो कार्यकर्ताओं ने तालियों से उनके भाषण का स्वागत किया। प्रियंका गांधी अपने संबोधन के दौरान भाजपा सरकार में हुए पुलिसिया जुल्म की दास्तां भी सुनाई। उन्होंने कहा, योगी राज में महिलाओं और गरीबों पर जुल्म बढ़े हैं। प्रियंका गांधी ने बुलंदशहर की जनता से भी कई वादे किए। गोरखपुर की प्रतिज्ञा वादा दोहराते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनी तो महिलाओं की सुरक्षा और युवाओं को रोजगार मुहैया कराया जाएगा। प्रियंका गांधी ने कहा, आजादी के लिए गांधी जी, नेहरू जी, सरदार पटेल ओर बाबा साहेब ने कुर्बानी दी, लेकिन भाजपा के नेतृत्व को आजादी का अर्थ नहीं पता। आज कुछ लोगों के पास ही आजादी है। उन्होंने हाथरस की घटना का जिक्र करते हु कहा, पीड़ित परिवार को इतनी आजादी नहीं मिली कि वह अंतिम संस्कार तक कर सकें। करो या मरो नारा के अब दोबारा साकार करने का समय आ गया है। प्रियंका गांधी ने महंगाई पर भी भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, 70 साल में पेट्रोल का दाम 70 रुपये हुआ। पिछले सात साल में 100 रुपये हो गया। गैस डीजल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। आपकी लड़ाई सपा और बसपा नहीं सिर्फ कांग्रेस लड़ रही है।

केरल में मूसलाधार बारिश के बाद बाढ़ का खतरा

नई दिल्ली ।

केरल के कई हिस्सों में शनिवार रात से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण राज्य के कई बांधों में जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंच गया जबकि रविवार सुबह तक कई सड़कें जलमग्न हो गईं। मौसम विभाग ने कहा कि भारी बारिश की यह स्थिति अगले दो दिनों तक विशेष रूप से राज्य के दक्षिणी हिस्सों में बनी रहने की उम्मीद है। इडुक्की जिला प्रशासन ने बताया कि तमिलनाडु सरकार के मुताबिक रविवार सुबह मुल्लपेरियार बांध में जलस्तर 140 फुट तक पहुंच गया। नतीजतन, पेरियार नदी के दोनों किनारों पर रहने वाले लोगों को अधिक सतर्क रहने के लिए कहा गया है, क्योंकि अगले 24 घंटे में जलस्तर बढ़ने पर बांध के द्वार खोले जा सकते हैं। पथानामथिट्टा में भारी बारिश होने के बाद जिला प्रशासन ने लोगों को अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी है, विशेष रूप से नदी के किनारे या भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है। इन दोनों जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। कोट्टायम जिले में भी सुबह तेज बारिश हुई, लेकिन वहां से किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है। केरल के कुछ हिस्सों में शनिवार को लगातार बारिश के कारण मामूली भूस्खलन हुआ और ट्रेन सेवाएं बाधित रहीं, जिसके कारण अधिकारियों को पहाड़ी इलाकों, नदी के किनारों और पर्यटन केंद्रों में अत्यधिक सावधानी बरतनी पड़ी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को तिरुवनंतपुरम में अत्यधिक भारी बारिश होने की आशंका जताई थी। जबकि 'ऑरेंज अलर्ट' के साथ कोल्लम, पथानामथिट्टा, अलाप्पुझा, कोट्टायम और इडुक्की जिलों में बहुत भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई थी। आईएमडी के एक बयान में कहा गया है कि 16 नवंबर तक केरल में एक या दो स्थानों पर गरज के साथ बिजली चमकने की भी संभावना है। 'रेड अलर्ट' 24 घंटों में 20 सेमी से अधिक भारी से अत्यधिक भारी बारिश का संकेत देता है, जबकि 'ऑरेंज अलर्ट' 6 सेमी से 20 सेमी तक बहुत भारी बारिश को दर्शाता है।

रक्षा मंत्रालय की नई सूची में अगस्ता वेस्टलैंड गायब 6 कंपनियां ब्लैक लिस्ट और 13 सस्पेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस के अगस्ता वेस्टलैंड में भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद भारतीय रक्षा मंत्रालय ने अनुबंध फर्मों की एक नई सूची जारी की है। जिनके साथ 12 नवंबर तक सौदे पर रोक लगा दी गई है या उन्हें रोक दिया गया है या निलंबित कर दिया गया है। इस नई सूची में 6 फर्मों को ब्लैकलिस्ट किया गया है जबकि 13 कंपनियों के साथ कारोबार रोक दिया है। रोचक बात ये है कि इस सूची में अगस्ता वेस्टलैंड का नाम नहीं है। रविवार को रक्षा मंत्रालय ने अनुबंध कंपनियों नई सूची जारी की। जिसमें छह कंपनियों को ब्लैकलिस्ट किया जबकि 13 अन्य कंपनियों को कारोबार के लिए सस्पेंड कर दिया है।

ब्लैक लिस्ट कंपनियों में सिंगापुर टेक्नोलॉजीज काइनेटिक्स लिमिटेड (एसटीके), इजराइल मिलिट्री इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आईएमआई), टीएस किसान एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, आरके मशीन टूल्स लिमिटेड (लुधियाना), राइनमेटल एयर डिफेंस (आरएडी), ज्यूरिख और कॉर्पोरेशन रक्षा (रूस) शामिल हैं। हालांकि, सूची में अगस्ता वेस्टलैंड और इसकी मूल फर्म लियोनार्डो का नाम नहीं है, जिसे पहले फिनमेकेनिका कहा जाता था। सरकार ने 2014 में भविष्य के सभी सैन्य अनुबंधों से लियोनार्डो (तब इसका नाम फिनमेकेनिका रखा गया) पर प्रतिबंध लगा दिया था।

इस बीच 13 फर्मों के साथ कारोबार सस्पेंड कर दिया गया है। इनमें आईडीएस, ट्यूनीशिया, इंफोटेक डिजाइन सिस्टम (आईडीएस) मॉरीशस, आईडीएस इंफोटेक लिमिटेड मोहाली, एरोमैट्रिक्स इंफो सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड चंडीगढ़, शांक्स ओशनियरिंग इंटर स्पिरो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, इंटर स्पिरो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एक्सपर्ट सिस्टम्स, यूनिटेक एंटरप्राइजेज, केल्विन शामिल हैं। इंजीनियरिंग, एटलस ग्रुप ऑफ कंपनीज जिनमें एटलस टेलीकॉम और एटलस डिफेंस सर्विसेज, ऑफसेट इंडिया सॉल्यूशंस (पी) लिमिटेड और इसकी ग्रुप कंपनियां, पिलाटस एयरक्राफ्ट लिमिटेड स्विट्जरलैंड और वेक्ट्रा एडवांस्ड इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड (वीएईपीएल) शामिल हैं।

त्रिपुरा में मस्जिद को क्षतिग्रस्त करने की खबर झूठी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

त्रिपुरा की जन तथाकथित घटनाओं को लेकर महाराष्ट्र में हिंसा हो रही है, उन्हें गृहमंत्रालय ने फेक न्यूज बताया है। केंद्रीय गृहमंत्रालय ने मस्जिद को नुकसान पहुंचाए जाने की घटना की पूरी तरह झूठ बताया और कहा कि किसी के घायल होने, बलात्कार या मौत की भी कोई सूचना नहीं है जैसा कि सोशल मीडिया दावा किया जा रहा है।

त्रिपुरा को लेकर आई इन सूचनाओं को लेकर महाराष्ट्र के अमरावती सहित कई स्थानों पर भारी विरोध प्रदर्शन और हिंसा की घटनाएं हुई हैं, जिसके बाद पुलिस ने कर्फ्यू लगा दिया है। गृह मंत्रालय की ओर से शनिवार शाम जारी बयान में कहा गया कि त्रिपुरा में मस्जिद को क्षतिग्रस्त करने की खबर झूठी है, सत्य को पूरी तरह से गलत तरीके से प्रदर्शित किया जा रहा है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि त्रिपुरा में किसी व्यक्ति को मामूली या गंभीर चोट लगने या किसी से बलात्कार या किसी की मौत होने की कोई जानकारी नहीं है, जैसा कि कुछ सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया गया है। मंत्रालय ने कहा है कि महाराष्ट्र में, त्रिपुरा के संबंध में फर्जी खबरों के आधार पर शांति भंग करने के उद्देश्य से हिंसा फैलाने, भड़काऊ बयानबाजी किए जाने की सूचना मिली है। गृह मंत्रालय ने कड़े शब्दों वाले बयान में कहा कि हाल के दिनों में त्रिपुरा में किसी मस्जिद के ढांचे के क्षतिग्रस्त होने का कोई मामला सामने नहीं आया है और लोगों को शांत रहना चाहिए और ऐसी फर्जी खबरों से गुमराह नहीं होना चाहिए। मंत्रालय ने कहा है, ''ऐसी खबरें फैलायी गई है कि त्रिपुरा में गोमती जिले के काकराबन इलाके में एक मस्जिद को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। ये खबरें फर्जी हैं और गलतबयानी हैं।'' गृह मंत्रालय ने कहा कि काकराबन के दरगाबाजार इलाके में मस्जिद को नुकसान नहीं हुआ है और गोमती जिले में त्रिपुरा पुलिस शांति बनाए रखने के लिए काम कर रही है। गृह मंत्रालय ने कहा कि महाराष्ट्र में, हिंसा और आपत्तिजनक बयानबाजी की सूचना मिली है, जिनका उद्देश्य त्रिपुरा के बारे में फर्जी खबरों के आधार पर शांति और सद्भाव को बिगाड़ना है। मंत्रालय ने कहा ''यह बहुत चिंताजनक है और यह आग्रह किया जाता है कि हर कीमत पर शांति बनाए रखी जाए।'' गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि हाल के दिनों में त्रिपुरा में किसी भी मस्जिद के ढांचे को नुकसान पहुंचाने का कोई मामला सामने नहीं आया है।

जिन्ना का समर्थन करने वाले तालिबान के समर्थक: सीएम योगी

विपक्ष के पास नहीं है कोई मुद्दा, हमें सावधान रहना होगा

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के प्रमुख पर हमला करते हुए रविवार को कहा कि जो लोग जिन्ना का समर्थन कर रहे हैं वह एक तरह से तालिबान का समर्थन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस दौरान हालांकि किसी का नाम नहीं लिया। मुख्यमंत्री योगी ने बीजेपी पिछड़ा मोर्चा द्वारा आयोजित 'सामाजिक प्रतिनिधि सम्मेलन' की श्रृंखला में मौर्य, कुशवाहा, शाक्य, सैनी समाज के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि तालिबान का समर्थन मतलब मानवता विरोधी शक्तियों को समर्थन देना है। उन्होंने कहा कि बुद्ध के शांति और मैत्री के संदेश को रोकने की साजिश का हिस्सा है तालिबान का समर्थन करना, तालिबान का समर्थन करने का मतलब आधी आबादी और बच्चे चों का अपमान करना और कुछ लोग उस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, हमें उनसे सावधान रहना होगा। गौरतलब है कि सरदार पटेल की जयंती पर हरदोई की एक सभा में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने आजादी की लड़ाई में सरदार पटेल, महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के योगदान की सराहना करते हुए उसी कड़ी में जिन्ना (पाकिस्तान के पहले गवर्नर जनरल मोहम्मद अली जिन्ना) का भी नाम लिया था। योगी ने कहा कि जब व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए कोई व्यक्ति समाज का दोहन करता है तो भले कितना भी लाभ ले ले, लेकिन समाज उन्नति के शिखर पर नहीं पहुंच सकता। कुछ चीजें हैं जो इतिहास हमें सीखने के लिए प्रेरित करता है। जब अफगानिस्तान के बामियान में तालिबानियों ने महात्मा बुद्ध की मूर्ति को तोड़ा तो तालिबान की उस क्रूरता को दुनिया ने देखा था। उन्होंने कहा कि शांति, करुणा के महामानव की प्रतिमा को तालिबानियों ने कैसे तोड़ा था, यह कभी भूलना नहीं चाहिए। बुद्ध की प्रतिमा को तोड़ने का मतलब शांति और करुणा को तोड़ना है। योगी ने कहा कि '1999 में जब यह घटना हुई तो हमने सोचा कि जिन्होंने महात्मा बुद्ध की प्रतिमा को तोड़ा है, उनकी एक दिन बड़ी दुर्गति होगी और उसके कुछ दिन बाद ही जब अमेरिका बम बरसा रहा था तो मैंने कहा कि यह बुद्ध की प्रतिमा के साथ अन्याय का प्रतिफल है।' योगी ने किसी का नाम लिए बिना कहा कि विपक्ष के पास मुद्दा नहीं है, वह सरदार पटेल का अपमान करना जानते हैं, राष्ट्रनायक सरदार पटेल एक तरफ हैं और इस राष्ट्र को तोड़ने वाले जिन्ना दूसरी तरफ हैं। वह जिन्ना का समर्थन करते हैं और हम सरदार पटेल का समर्थन करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतिहास में

सम्राट अशोक को या चंद्रगुप्त मौर्य को महान नहीं बताया गया, लेकिन चंद्रगुप्त मौर्य से हारने वाले सिकंदर को महान बता दिया। इतिहासकार इन मुद्दों पर मौन हैं क्योंकि सच्चाई भारतवासियों के मन में आ जाएगी तो भारत फिर से खड़ा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज इस देश को ही खड़ा कर रहे हैं। एक भारत श्रेष्ठ भारत को लेकर जो बात हो रही है, वह इन्हीं मुद्दों को लेकर हो रही है। उन्होंने कोरोना महामारी में सरकार के प्रबंधन की चर्चा करते हुए मुफ्त टीकाकरण और राशन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की। कार्यक्रम को कई प्रमुख नेताओं ने संबोधित किया।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com